तापमान

अधिकतम 41.2 डिग्री

न्यूनतम 24.9 डिग्री

हरिभूमि

बिलासपुर भूमि

बिलासपुर, रविवार 3 मई 2026

बिल्हा | मस्तूरी | तखतपुर | मुंगेली | कोटा | लोरमी | सरगांव | पेंड्रा | बेलतरा | रतनपुर | पथरिया

जवाली नाला के ऊपर बना सड़क का चेम्बर खुला सुरक्षा के कोई उपाय नहीं।

खबर संक्षेप

प्रयास प्रकाशन अकादमी छग का 'वार्षिकोत्सव आज

बिलासपुर। 'प्रयास प्रकाशन साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़' का वार्षिक अधिवेशन, पुस्तक विमोचन एवं सम्मान समारोह रविवार 3 मई को आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम शासकीय जे.पी. वर्मा महाविद्यालय, जरहाभाठा के सभागार में शाम 6 बजे से होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. चंद्रभूषण बाजपेयी होंगे। समारोह की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय कुमार पाठक करेंगे। विशिष्ट अतिथि डॉ. श्यामलाल निराला, डॉ. पं. श्रीधर गौरहा, शिव प्रताप साव, विष्णु कुमार तिवारी, संतूलाल सोनकर, आकांक्षा शर्मा होंगी।

राममंदिर में होंगे विविध धार्मिक आयोजन 5 को

बिलासपुर। श्रीराम मंदिर तिलक नगर में मई, जून महिने में विविध धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं।

5 मई मंगलवार को अंगारक संकष्टी गणेश चतुर्थी का पूजन, दुग्धाभिषेक, अभिषेक एवं विभिन्न मौसमी फलों से अभिषेक किया जाएगा। पूजा की कड़ी में 17 मई रविवार से पुरूषोत्तम मास प्रारंभ होने जा रहा है जो कि 15 जून रविवार तक रहेगा। इसके अंतर्गत 31 मई रविवार पूर्णिमा को सामूहिक सत्यनारायण कथा कराई जाएगी। इसमें भक्तजन भाग लेकर लाभ प्राप्त कर सकता है। पुरूषोत्तम मास का समापन कार्यक्रम 12 से 14 जून के बीच तीन दिनी व्रत के साथ संपन्न होगा। इस अवसर पर श्री राधाकृष्ण की सर्वतोभद्र मंडल पर विधिवत पूजन, स्थापना कर प्रतिदिन अभिषेक पूजन होगा। अंतिम दिन पूर्णाहुति के साथ पुरुषोत्तम मास का दान कर प्रसाद वितरित किया जाएगा।

एयू में आनलाइन सेमेस्टर परीक्षा फार्म पोर्टल शुरू

बिलासपुर। राष्ट्रीय शिक्षा नीति अंतर्गत सत्र 2025-26 के लिए स्नातक द्वितीय सेमेस्टर के नियमित, स्वाध्यायी परीक्षार्थी तथा समस्त कालेजों के स्नातकोत्तर सेमेस्टर पाठयक्रमों एवं विधि संकाय के स्नातक, स्नातकोत्तर सम सेमेस्टर का आनलाइन परीक्षा फार्म यूनिवर्सिटी के अधिकृत वेब पोर्टल भराना शुरू हो गया है, जिसकी अंतिम तिथि 11 मई निर्धारित की गई है। छात्र-छात्राओं द्वारा आनलाइन परीक्षा फार्म की हार्डकापी आनलाइन शुल्क भुगतान की रसीद एवं समस्त अनिवार्य दस्तावेजों की स्वप्रमाणित छायाप्रति संबंधित कालेज, शिक्षण विभाग में 13 मई तक जमा किया जा सकता है।

दोहरी मार झेल रही जीवनरेखा अरपा, दोमुहानी से शिवघाट तक जलकुंभी फैली

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

दशकों से अंचल की धार्मिक, सांस्कृतिक पहचान रही जिले की जीवनरेखा अरपा इन दिनों दोहरे प्रदूषण की मार झेल रही है। यह स्थिति तब है जब अरपा को स्वच्छ और प्रदूषण से मुक्त करने के लिए एक साथ कई कामों के लिए करोड़ों रुपए का ठेका दिया गया है। हाल यह है कि अरपा नदी में बढ़ते जलकुंभी का जमाव गंभीर प्रदूषण का कारण बन गया है। शहर के करीब 70 नालों का गंदा पानी और शहरीकरण के कारण नदी में पोषक तत्वों की अधिकता से जलकुंभी फैल रही है, जो ऑक्सीजन कम कर जलीय जीवन को नष्ट कर रही है।

गौरतलब है कि मंगला से दोमुंहानी तक अरपा में छोटे बड़े 70 नाले, नालियों का गंदा पानी छोड़ा जाता है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेश हैं कि नदी, तालाबों में गंदा पानी छोड़ने से पहले उसका सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट में उपचार किया जाए। अन्यथा प्रति नाले के हिसाब से संबंधित नगर पालिका परिषद, नगर निगम पर प्रति नाला के हिसाब से 5 लाख रुपए महीना पेनाल्टी लगाई जाएगी। निगम ने एनजीटी के आदेशों का पालन करने के लिए कागजी कार्यवाही तो जरूर की लेकिन जमीनी हकीकत इससे कोसों दूर है।

खास बातें

- नदी की सफाई के लिए करोड़ों की योजनाएं,सब अधूरी, नदीं में प्रदूषण फैल रहा
- एनजीटी के आदेश पर कागजी कार्यवाही तो जरूर की लेकिन धरातल पर कुछ नहीं

आसपास का भूजल भी तेजी से दूषित हो रहा

गौरतलब है कि जलकुंभी की मोटी परतें अरपा नदी की सतह को ढंक लेती हैं, जिससे सूर्य का प्रकाश और ऑक्सीजन नीचे नहीं पहुँच पाता, जिससे मछलियाँ और अन्य जलीय जीव दम तोड़ देते हैं। दरअसल शहर का अनट्रीटेड (बिना उपचारित) गंदा पानी और नालों का पानी नदी में मिलकर इसे जहरीला बना रहा है, जिससे जलकुंभी को पोषण मिलता है। इससे पानी दुर्गंधयुक्त और विषाक्त हो गया है, जो आसपास के भूजल को भी दूषित कर रहा है।

11 किमी अरपा में मात्र 800 मीटर सफाई

देखा जाए तो मंगला से दोमुंहानी तक अरपा 11 किलोमीटर के करीब होगी। नदी को प्रदूषणकारी जलकुंभी से मुक्त करने के लिए नगर निगम ने 11 लाख महीने की दर से किराए पर वीट हार्वेस्टर मशीन मंगाई थी। मशीन से छठ घाट के पास पुल के दोनों ओर सिर्फ 400-400 मीटर नदी से जलकुंभी हटाई गई। इसके बाद जोन के तालाबों की सफाई के लिए मशीन भेज दी गई। इसके बाद मशीन खराब हो गई और कुछ काम नहीं हुआ।

कराई जाएगी सफाई

रिहायशी क्षेत्रों के गंदे पानी को अरपा में बहाने से पहले उसके ट्रीटमेंट के लिए एसटीपी की स्थापना की जा चुकी है। इसकी टेस्टिंग शीघ्र की जाएगी। मंगला में दो एसटीपी भी बनाए जा रहे हैं। नदी के साथ ही तालाबों में फैली जलकुंभी की सफाई कराई जाएगी।

- **खंजाची कुम्हार,** अपर आयुक्त

पानी सुखाती है जलकुंभी

जहां जलकुंभी नहीं होती है, वहां वाष्पीकरण से एक लीटर पानी वाष्पित होता है, तो जहां जलकुंभी होती है, वहां का पानी 10 लीटर वाष्पित होता है। यह पानी को सुखा देती है। प्रोफेसर के अनुसार जलकुंभी से खाद बनाई सकती है। छोटा गड्ढा करके गोबर के साथ इसे डाल देंगे तो इससे उम्दा खाद तैयार हो जाएगी। वहीं गोबर गैस प्लांट में इसका उपयोग कर गोबर से जितनी गैस दो दिन में तैयार होती है, उतनी एक ही दिन में तैयार की जा सकती है।

- **अनुपमा सक्सेना**
वरीष्ठ प्रोफेसर, सेंट्रल यूनिवर्सिटी

बिजली ने सताया : आने वाले 4 दिनों तक रहेगा मौसम में उतार-चढ़ाव

50 किमी रफ्तार से चली आंधी बूंदाबांदी के बाद मौसम सुहाना

शनिवार को रिवरव्यू की सड़क पर मौसम का आनंद लेते लोग।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

भरी गर्मी में आंधी तूफान का दौर शुरू हो चुका है, आने वाले 4 से 5 दिनों तक मौसम में उलट फेर होगा। शनिवार की दोपहर 3 बजे के बाद अचानक मौसम बदलने लगा और करीब 50 किमी रफ्तार से आंधी चलने लगी। अधंड की वजह से धूल के गुबार उड़ने लगे। इस बीच मिनटों के लिए बारिश दर्ज की गई, लेकिन आसमान में काले बादल छाने के कारण मौसम को गर्मी से राहत मिली।

- अधिकतम पारा में आ सकती है कमी

चक्रवाती हवाओं के प्रभाव के चलते आने वाले दिनों में मौसम बदला-बदला सा रहेगा, मौसम विभाग ने इसकी चेतावनी जारी कर दी है। शनिवार को सूरज की तपिश अधिक रही और अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री दर्ज की गई, जो शुक्रवार के तापमान से 4 डिग्री अधिक थी। दोपहर को अचानक मौसम बदला और अंधड़ के साथ ही बारिश होने लगी, इस दौरान शहरीय क्षेत्र में कम और आउटर में अच्छी बारिश देखी गई। करीब आधा घंटे तक तेज हवाएं चलती रहीं और शाम होते होते मौसम खुशनुमा हो गया और लोगों ने बाहर निकलकर मौसम का लुत्फ उठाया।

घंटों बंद रही बिजली, कर्मचारी पस्त

खास बात यह है कि हर बार की तरह शनिवार को अंधड़ की वजह से बिजली ने फिर से सताया और घंटों बिजली बंद का सामना उपभोक्ताओं को करना पड़ा। कुदुदंड मिट्टी टीला के पास दोपहर 3 बजे से बिजली बंद रही, इस दौरान रात 9 बजे तक बिजली नहीं पहुंच सकी, इस दौरान अधिकारियों को भी शिकायत की गई लेकिन कर्मचारियों की कमी से जुझ रहे बिजली विभाग बिजली शुरू करने में नाकाम साबित होती दिखी। रात 10 बजे के आसपास बिजली बहाल हो सकी। बताया जा रहा है ट्रांसफार्मर की खराबी के कारण घंटों बिजली बंद रही। यही हाल सकरी क्षेत्र का है। फीडर का सिटी बर्स्ट होने के कारण सकरी क्षेत्र के कई इलाके शाम से अंधेरे में डुबे रहे। ज्ञात हो कि शनिचरी सबस्टेशन के अंतर्गत जूना बिलासपर, रपटा के आसपास मेंटनेंस कार्य किया गया, सुबह 10.30 से 3 बजे तक बिजली ठप रही, लेकिन इसके बावजूद आंधी के कारण घंटों बिजली सप्लाई बंद होने के कारण लोगों का हाल बेहाल हो गया।बताया जा रहा है कि किलावार्ड, विनोबा नगर, कश्यप कालोनी,अशोक नगर, टिकरापारा, महाराणा प्रताप, तालापारा जैसे इलाकों में घंटों बिजली बंद का सामना करना पड़ा है।

न्यायिक जांच की मांग पर अड़े रहे परिजन, 24 घंटे बाद हुआ पीएम

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

इलाज के दौरान आरक्षक की मौत के मामले में दूसरे भी परिजन न्यायिक जांच की मांग पर अड़े रहे, समझाइश के बाद भी परिजन पीएम कराने का तैयार नहीं हुए, 24 घण्टे बाद कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में 4 डाक्टरों की टीम ने वीडियोग्राफी के साथ शव का पीएम कर शाम 7 बजे उसे मृतक के परिजन को सौंपा।

मस्तूरी एरमशाही निवासी सरकण्डा थाने में पदस्थ आरक्षक सत्या पाटले को किडनी में पथरी की शिकायत थी। पिछले 10 दिनों से उनका नेहरू नगर स्थित श्रीराम केयर हास्पिटल में इलाज चल रहा था। गुरूवार को आरक्षक के पेट से 10 एमएम की पथरी आपरेशन कर निकाला गया था। 24 घण्टे के भीतर संक्रमण फैलने से उन्हें फिर से भर्ती कराया गया। शुक्रवार की शाम 6 बजकर 12 मिनट में उनकी मृत्यु हो गई। परिजनों ने डाक्टरों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हास्पिटल में जमकर हंगामा मचाया। सिविल लाइन, सरकण्डा पुलिस ने हास्पिटल पहुंचकर स्थिति को संभाला और शव जिला अस्पताल के मरच्यूरी में रखा दिया गया था।

- कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में चार डाक्टरों की टीम ने की वीडियोग्राफी

न्यायिक जांच की मांग : 2 मई की सुबह सिविल लाइन थाना के एएसआई चंद्रकांत डहरिया पोस्टमार्टम कराने के लिए जिला अस्पताल पहुंचे। परिजन ने न्यायिक जांच की मांग करते हुए पोस्टमार्टम नहीं कराने दिया। पुलिस अधिकारियों की समझाइश के बाद भी परिजन अपनी मांग पड़े रहे। काफी समझाइश पर परिजन पोस्टमार्टम कराने को तैयार हुए। दोपहर 3.30 बजे शव सिम्स भेजा गया। कालपालिक मजिस्ट्रेट आकाश गुप्ता की उपस्थिति में चार डाक्टरों की टीम ने वीडियोग्राफी के साथ पोस्टमार्टम किया। उसके बाद शाम 7 बजे शव परिजन को सौंपा गया है।

इन डाक्टरों की टीम ने किया पीएम

सिम्स पहुंचने पर परिजन पांच डाक्टर की टीम पर अड़े रहे। काफी समझाइश के बाद सिम्स के डा. राहुल अग्रवाल फोरेंसिक मेडिशिन, डा. राजेन्द्र कुमार सिंह सर्जरी, डा. ज्योति पोर्ते पैथोलाजी, डा. नाजिया अंसारी मेडिशन विभाग के द्वारा पोस्टमार्टम किया गया है।

सोमवार को मिलेगी शार्ट पीएम रिपोर्ट

पुलिस व परिजन के द्वारा पीएम करने वाले डाक्टरों की टीम ने आरक्षक के शार्ट पीएम रिपोर्ट की मांग की गई थी। डाक्टरों के द्वारा सोमवार को शार्ट पीएम रिपोर्ट देने का आश्वासन दिया गया है।

थाने में बड़े भाई पर बंदूक तानने वाला आरक्षक सस्पेंड

बिलासपुर। एसएसपी ने थाने में रिपोर्ट लिखाने गए बड़े भाई पर बंदूक तानने वाले शराबी आरक्षक को निलंबित कर दिया है। मामले की जांच के आदेश भी दिए गए हैं।

गुरूवार की रात आरक्षक चंद्रा अपने दोस्त के साथ मिलकर अपने बड़े भाई मंगला निवासी भुवन चंद्रा के साथ गाली गलौज करते हुए जमकर विवाद किया। उसके बाद नशे में पुलिस लाइन में गार्ड की ड्यूटी कर रहा था। छोटे भाई व उसके दोस्त की हरकतों से त्रस्त होकर भुवन चंद्रा घटना की शिकायत करने सिविल लाइन थाना गए। आरक्षक चंद्रा को जानकारी हुई तो वह नशे में सिविल लाइन थाना जाकर अपने बड़े भाई के साथ विवाद कर हंगामा मचाने लगा। पुलिसकर्मियों की समझाइश के बाद भी नशे में धुत आरक्षक हंगामा मचाते हुए अपने बड़े भाई पर शासकीय एसएलआर तानकर जान से मारने की धमकी देने लगा। पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़कर उसका डाक्टरी मुलाहिजा कराया।

शराबी आरक्षक ने थाने में मचाया हंगामा, रिपोर्ट लिखाने गए अपने ही बड़े भाई पर तानी बंदूक

हरिभूमि में प्रकाशित खबर।

थानों में थानेदारों का लगाम नहीं

थानों में थानेदारों की लगाम नहीं रह गई है। पूर्व में कोटा थाना में आपसी विवाद होने पर दो गुटों के लोग थाने के अंदर घुसकर एक दूसरे के साथ जमकर गाली गलौज कर रहे थे। इसी तरह सरकण्डा थाना में एक आरक्षक ने शासकीय एसएलआर से फायरिंग कर दी थी। रतनपुर थाने में एक एएसआई ने पीड़ित के साथ जमकर मारपीट कर दी थी। चार दिन पूर्व में सिरगिट्टी थाने में एक तथाकथित पत्रकार ने नशे में थाने के अंदर गाली गलौज कर जमकर उपद्रव मचाया।

बिलासपुर में नियमित हवाई सेवा से यात्री बढ़ने के आसार

दिल्ली की सीधी फ्लाइट को मिल रहा रिस्पांस

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

चकरभाठा स्थित बिलासा एयरपोर्ट से दिल्ली की सीधी फ्लाइट रविवार से शुरू होगी, लेकिन इसे जबरदस्त प्रतिसाद मिलने लगा है। बुकिंग शुरू होते ही फ्लाइट की टिकट 10 हजार के पार जा पहुंची है। खास बात यह है कि यह पहली बार है कि जब दिल्ली की सीधी फ्लाइट शाम के समय उड़ान भरेगी।

बिलासा एयरपोर्ट से दिल्ली की सीधी फ्लाइट रविवार की शाम 6.45 को टेकआफ करेगी और 2 घंटे 40 मिनट के बाद 9.25 को दिल्ली में लैंड करेगी। इस फ्लाइट को लेकर लोगों में उत्साह देखा जा रहा है। बुकिंग शुरू होते ही अब फ्लाइट का किराया 10 हजार 400 जा पहुंचा है। खास बात यह है कि रायपुर के अधिकारी और कुछ नेताओं द्वारा बिलासपुर एयरपोर्ट पर उड़ानों की वृद्धि, आधारभूत संरचना निर्माण में अड़ंगा लगाने का प्रयास कर रही है। यह एक लॉबी की तरह बिलासा एयरपोर्ट का दुष्प्रचार करने में आमादा है, लॉबी का कहना है कि बिलासपुर एयरपोर्ट से यात्रियों की कमी है, जबकि यहां से दिल्ली प्रयागराज जैसे रूट पर 80 से 90 फीसदी ऑक्युपेंसी रहती है। यही नहीं कोलकाता के लिए भी 60 से 70 फीसदी की ऑक्युपेंसी मिलती है। बिलासपुर से जगदलपुर बिलासपुर से अंबिकापुर जैसे मार्गों पर जरूर यात्रियों की कमी रही है, लेकिन इन हवाई मार्ग में फ्लाइट के लिए बिलासपुर के लोगों ने कभी मांग नहीं किया है। हवाई संघर्ष समिति के सदस्यों ने कहा कि बिलासपुर से दिल्ली के लिए शाम व सुबह फ्लाइट की मांग लंबे समय से की जा रही है, हाल ही में अलाइंस एयर ने केवल एक दिन रविवार को शाम की फ्लाइट शुरू की है । एयरलाइंस के सूत्रों ने बताया कि फ्लाइट में 80 फीसदी से अधिक बुकिंग पहले हो चुकी है। यह जाहिर करता है कि बिलासपुर एयरपोर्ट पर यात्रियों की कमी नहीं है। यह कहना गलत नहीं होगा कि विश्वसनीय सेवा और नियमित फ्लाइट से यात्रियों की कोई कमी नहीं होगी।

बुकिंग शुरू होते ही टिकट 10 हजार पार

धरने में शामिल हुए सदस्य

हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति का महाधरना शनिवार को जारी रहा, सदस्यों ने राज्य सरकार और केन्द्र सरकार द्वारा उपेक्षा का आरोप लगाया। रवि बनर्जी, बद्री यादव, देवेंद्र सिंह ठाकुर, मनोज श्रीवास, ऋषि राज, रामशरण यादव, अनिल गुलहरे, आशुतोष शर्मा, मजहर खान, महेश दुबे, समीर अहमद, रमाशंकर बघेल, संतोष पीपलवा, प्रकाश बहरानी, विभूतिभूषण गौतम, अमर बजाज, अखिल अली और सुदीप श्रीवास्तव शामिल रहे।

Our Stars of JEE Session-II
RESULTS ही है, हमारी पहचान
ये सिर्फ रिजल्ट नहीं...
ACHARYA INSTITUTE
Ka statement hai
ADYA GUPTA
99.76 %ile
PHY: 99.61 CHE: 99.76
MATH: 99.39
NATIK CHANDWANI
99.21 %ile
PHY: 99.53 CHE: 97.97
MATH: 98.53
UTKARSH AWASTHI
99.20 %ile
PHY: 98.06 CHE: 99.25
MATH: 98.51
PRASAN AGRAWAL
99.60 %ile
PHY: 99.65 CHE: 98.23
MATH: 99.51
HARSHIT KUMAR SINGH
99.21 %ile
PHY: 99.27 CHE: 98.97
MATH: 97.44
AIR 12770
AIR 12577
Cat.AIR 774
AIR 3813
AIR 6420
AIR 12665
हर मार्क के पीछे है Acharya का भरोसा
ALIYA SHEIKH ASLAM 98.94 %ile PHY: 99.10 CHE: 94.26 MATH: 98.07
YASH CHANDANI 98.67 %ile PHY: 98.40 CHE: 97.43 MATH: 97.70
ADITI KRISMUCS 98.44 %ile PHY: 94.88 CHE: 99.01 MATH: 98.01
SAYAM GHOSH 98.21 %ile PHY: 96.52 CHE: 97.41 MATH: 98.08
DHAIRYA OJHA 97.88 %ile PHY: 98.02 CHE: 97.87 MATH: 86.75
RAGHAV SINGH 97.78 %ile PHY: 99.12 CHE: 98.84
SRIJAN SWARNAKAR 97.76 %ile PHY: 99.15 CHE: 97.97 MATH: 92.01
PRAKASH AGRAWAL 97.74 %ile PHY: 95.28 CHE: 90.82 MATH: 99.02
SHIVANSH DUBEY 97.36 %ile PHY: 98.66 CHE: 96.49 MATH: 86.79
ABHAY BANJARA 96.22 %ile PHY: 96.09 CHE: 91.94 MATH: 95.48
AKSHAT TIWARI 96.13 %ile PHY: 98.77 CHE: 97.05
ADITI CHANDRAKAR 95.09 %ile PHY: 86.33 CHE: 96.33 MATH: 96.41
AMBUJ YADAV 95.01 %ile PHY: 95.35 CHE: 95.94 MATH: 67.66
ASTHA SONI 94.77 %ile PHY: 96.64 CHE: 91.81 MATH: 81.65
SUJAL PATEL 93.76 %ile PHY: 94.83 CHE: 97.54
ANURAG SINHA 93.11 %ile PHY: 91.88 CHE: 76.10 MATH: 95.29
MOKSHA TIWARI 92.90 %ile PHY: 90.52 CHE: 91.08 MATH: 92.37
OM VERMA 92.90 %ile PHY: 96.68 CHE: 92.96 MATH: 95.86
PRATIKSHA SAHU 91.79 %ile PHY: 93.50 CHE: 90.13 MATH: 64.33
HIMANSHU SINGH THAKUR 90.38 %ile PHY: 87.87 CHE: 61.02 MATH: 96.52
99%+ 5 Students
98%+ 4 Students
95%+ 18 Students
36+ Students Advanced Qualified
Best "NEET" Results 2024
710 / 720 STATE TOPPER
AIR 364
FIRST RANK IN CHHATTISHGARH
PHY 180/180 CHE 175/180 ZOO 180/180 BOT 175/180
AIIMS BHOPAL
SHRISHTI GUPTA
3 YEAR INTEGRATED
ACI REG. ID : AIO1BSP2550
ACHARYA KI SHRISHTI
छत्तीसगढ़ NEET TOPPER
705 / 720
PHY 180/180 CHE 180/180 ZOO 175/180 BOT 170/180
AIIMS HYDERABAD
GUNJAN MISHRA
2 YEAR INTEGRATED
ACI REG. ID : AIO1BSP2575
663/720 ANANYA GUPTA JNM RAIPUR
647/720 AKSHAT JAISWAL GMC RAJNANDGON
644/720 SHUBH SHARMA GMC RAJNANDGON
640/720 ANISH DEWANGAN CIMS BILASPUR
630/720 SUBRAT JAISWAL GMC RAIGARH
617/720 SNEHA SINGH DEV JNM RAIPUR
Best "NEET" Results 2025
564/720 JANHVI JAIN JNM RAIPUR
561/720 AADYA KAUSHIK JNM RAIPUR
533/720 ASHFIYA ALI CIMS BILASPUR
492/720 VIDYA JAHNVI GMC RANCHI
506/720 HITESH NISHAD RAJNANDGAON
492/720 KRISHNA DEWANGAN GMC RAIGARH
100+ Student Selected in Govt. College & Many More...
SANDEEP DWIVEDI SIR
DIRECTOR & HOD PHYSICS
ADMISSION OPEN 2026-27
11th-12th NEW BATCH 7th MAY
IIT-JEE DROPPER BATCH (HINDI & ENGLISH MEDIUM) 7TH MAY
NEET DROPPER BATCH (HINDI & ENGLISH MEDIUM) NEW BATCHS - 7th MAY & 18th MAY
FOUNDATION NEW BATCH (6TH TO 10TH) 8th MAY
SUMMER COURSE 8-12TH ENGLISH MEDIUM | 11TH & 12TH HINDI MEDIUM STARTING FROM MAY 1st WEEK 2026
ACHARYA INSTITUTE
A Promise beyond excellence
Best faculties from all over India in Bilaspur With Sandeep Sir
IIT-JEE/NEET/CUET/FOUNDATION
BRANCH 1 Near Rajendra Nagar Chowk, Link Road, Above AXIS Bank Bilaspur
BRANCH 2 In Front of CMD Ground, Link Road CMD Chowk Bilaspur
BRANCH 3 In Front of Vijyapuram Colony, Main Road, Sarkanda, Bilaspur
BRANCH 4 Old Bus Stand, Near City Kotwali, Mungeli (C.G.)
7470462225
6262673703
8463879119
7470461083
हिन्दी माध्यम के छात्रों के लिए पृथक बैच एवं कक्षाएं
FACILITIES
AC CLASSROOM
LIBRARY
HOSTEL
TRANSPORT
FOLLOW US ON INSTA
ADMISSION Start
FOR ADMISSION
AdPRAYAS

खबर संक्षेप

शर्मा आईटीआई कर्मचारी अधिकारी संघ बिलासपुर संभाग के अध्यक्ष बने

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ आईटीआई कर्मचारी अधिकारी संघ बिलासपुर संभाग का प्रवीण शर्मा को अध्यक्ष चुना गया है। निर्वाचन अधिकारी हिमांचल साहु ने बताया कि छत्तीसगढ़ आईटीआई कर्मचारी अधिकारी संघ का बिलासपुर सम्भागीय निर्वाचन 1 मई को छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ कार्यालय बिलासपुर में संपन्न हुआ। संभाग अध्यक्ष के लिए केवल एक नामांकन प्रवीण शर्मा का ही प्राप्त हुआ और वे छत्तीसगढ़ आईटीआई कर्मचारी अधिकारी संघ के बिलासपुर संभाग अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित हुए। सरला वर्मा महिला प्रकोष्ठ संभाग अध्यक्ष के साथ ही बिलासपुर जिला अध्यक्ष नरेंद्र सिंह दर्शन, मुंगेली जिला अध्यक्ष विकास कुमार बानी, कोरबा जिला अध्यक्ष कांता प्रसाद माहेश्वरी, गौरेला पेंड्रा मरवाही जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार चतुर्वेदी, जांजगीर चांपा जिला अध्यक्ष विष्णु कश्यप, सक्ती जिला अध्यक्ष योगेश कुमार सिंह क्षत्रिय रायगढ़ जिला अध्यक्ष तुलाराम पटेल, सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला अध्यक्ष मनोहर पटेल सभी जिलाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित हुए। निर्वाचन को संपन्न कराने में जी आर चंद्रा, पवन शर्मा, संतोष वर्मा, राजेश्वर वस्त्रकार, राजू कस्तूरे, अंशुल शुक्ला, गजेंद्र कुमार साहू, माधवी गोस्वामी, गुमान सिंह साहू, प्रेम कुमार सोनी, नवीन कुमार साहू, भोज केसरवानी आदि का सहयोग रहा।

सुभाष को दी पीएचडी की उपाधि

बिलासपुर। सुभाष चावला को प्रबंधन विषय में डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय ने पीएचडी की उपाधि प्रदान की है।

इन्होंने अपना शोध डॉ. विवेक बाजपेयी के मार्गदर्शन में "डेवलपमेंट ऑफ कस्टमर एडवोकेसी मॉडल फॉर ऑटोमोबाइल सेक्टर इन छत्तीसगढ़" विषय में पूर्ण किया। यह शोध ऑटोमोबाइल क्षेत्र में कस्टमर एडवोकेसी मॉडल के विकास पर आधारित है। डॉ. सुभाष चावला वर्तमान में चौकसे इंजीनियरिंग कॉलेज बिलासपुर में प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं।

धनेश को मिली पीएचडी की उपाधि

बिलासपुर। धनेश राम सिन्हा को डॉ. सी वी रमन यूनिवर्सिटी द्वारा पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है।

उनका शोध कार्य रिवीजन ऑफ हिस्ट्री, मल्टीकल्चरल सोसायटीज एंड कल्चरल इंटीग्रेशन इन द नोवेल्स ऑफ अमिताव घोष विषय पर केंद्रित था। श्री सिन्हा ने अपना यह शोध कार्य बिलासपुर के डॉ. सी वी रमन यूनिवर्सिटी के डॉ. ओम प्रकाश तिवारी के मार्गदर्शन में पूर्ण किया।

अधिकारियों ने जनगणना कार्य का किया निरीक्षण

जनगणना: एक घर में लग रहे पांच मिनट, कलेक्टर एसएसपी प्रगणक बनकर पहुंचे लोगों के पास

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

राष्ट्रीय जनगणना कार्य के दूसरे दिन व्यवस्थाओं का जायजा लेने और कर्मचारियों के उत्साहवर्धन के लिए जिले के कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसएसपी रजनेश सिंह और निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे ने जनगणना कार्य का निरीक्षण किया। जिसके तहत नगर निगम क्षेत्र के जोन क्रमांक 7 अंतर्गत वार्ड 58 में रामा ग्रीन सिटी फेज 2 में चल रहें जनगणना कार्य को अधिकारियों ने देखा।

इस दौरान कॉलोनी के कुछ मकानों में कलेक्टर,एसएसपी और निगम कमिश्नर ने खुद प्रगणक बनकर रहवासियों से जानकारी एकत्रित की और पोर्टल में सबमिट किया। इस दौरान उन्होंने गणना कार्य में लगे अधिकारियों एवं कर्मचारियों से चर्चा कर कार्य की प्रगति और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि जनगणना देश के विकास और नीति निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि जनगणना कर्मियों को सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराकर सहयोग करें। चर्चा करने पर प्रगणकों ने बताया कि लगभग 5 मिनट में 33 बिंदुओं पर आधारित जानकारी ऑनलाइन पोर्टल में सफलतापूर्वक दर्ज हो रही है। हाईटेक व्यवस्था हो जाने से जनगणना कार्य सरल और सहज रूप से क्रियान्वित हो रहा है।

सभी जानकारियां पूरी तरह गोपनीय

विदित है कि जनगणना में दी गई सभी जानकारियां पूरी तरह गोपनीय रखी जाती हैं। व्यक्तिगत आंकड़ों को किसी व्यक्ति या संस्था के साथ साझा नहीं किया जा सकता तथा यह सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत भी उपलब्ध नहीं कराई जाती। इन आंकड़ों का उपयोग केवल शासन की नीतियों एवं योजनाओं के निर्माण में किया जाता है।

शहर के 19 केंद्रों में होगी नीट की परीक्षा आज

बिलासपुर। रविवार 3 मई को नीट की परीक्षा आयोजित की जा रही है। इसके लिए 19 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। प्रतियोगी छात्रों के आने जाने में किसी भी प्रकार असुविधा से बचने के लिए प्रशासन ने सभी दिशाओं से भारी वाहनों के प्रवेश पर नो एंट्री लगाई गई है।

■ दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक होगी परीक्षा

जानकारी के अनुसार 3 मई को दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के द्वारा नीट यूजी परीक्षा 2026 का आयोजन शहर के 19 परीक्षा केंद्रों में किया जा रहा है। इस दौरान जिला बिलासपुर सहित अन्य जिलों के नीट परीक्षा में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थियों एवं उनके अभिभावकों का शहर के विभिन्न मार्गों से परीक्षा केंद्रों में आगमन होगा। यह परीक्षा 19 विभिन्न परीक्षा केंद्रों में संचालित होगी। अतः शहर में सभी दिशाओं से भारी वाहनों का नो एंट्री लगाई गई है। साथ ही सभी प्रमुख मार्गों में यातायात मार्ग सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने यातायात एवं पुलिस के बल पर्याप्त मात्रा में लगाई गई है ताकि यातायात दबाव वाले मार्ग में आवश्यकता अनुसार मार्ग को परिवर्तित किया जा सके। परीक्षा दिनांक को पूल-पुलिया, संकीर्ण मार्ग, चौक चौराहा, शॉपिंग माल, शहर के एंट्री एवं एग्जिट प्वाइंट्स एवं अन्य कई स्थानों की ओर जाने वाली सड़कों में यातायात दबाव की स्थिति देखी जाती है। अतः समस्त वाहन चालकों एवं नागरिकों से अपील गई है वे सुबह 10 बजे से लेकर दोपहर 1:30 बजे परीक्षा प्रारंभ होते तक एवं शाम 5 बजे से लेकर 7 बजे तक परीक्षा के समापन के दौरान शहर में परीक्षार्थियों एवं अभिभावकों के आवागमन के कारण यातायात दबाव की स्थिति रहेगी।

रमन विवि में सात कर्मियों को भावभीनी विदाई

बिलासपुर। डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय में पहली बार एक साथ 7 कर्मियों के सेवानिवृत्त होने पर विश्वविद्यालय परिवार ने वर्षों तक अपनी सेवाएं देने वाले कर्मियों के योगदान को याद करते हुए उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी। सेवानिवृत्त होने वालों में एसोसिएट प्रोफेसर आर.के. सिंह , सुरेंद्र कुमार सोनी , मृत्युंजय पांडे , अरुण कुमार जायसवाल , शत्रुघ्न सिंह , भगवान सिंह एवं बलराम गुप्ता शामिल हैं। सभी ने अपने कार्यकाल के दौरान विश्वविद्यालय के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। समारोह में कुलसचिव डॉ. अरविंद तिवारी, डिप्टी रजिस्ट्रार पुष्पा कश्यप, डिप्टी रजिस्ट्रार प्रशासन नीरज कश्यप एवं डॉ. वेद प्रकाश मिश्रा सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने विचार व्यक्त किए और सेवानिवृत्त कर्मियों के समर्पण, ईमानदारी एवं कार्यनिष्ठा की सराहना की। कुल सचिव डॉ. अरविंद कुमार तिवारी ने कहा कि सेवानिवृत्ति किसी यात्रा का अंत नहीं, बल्कि एक नए अध्याय की शुरुआत है। डिप्टी रजिस्ट्रार नीरज कश्यप ने कहा कि इनकी कार्यशैली और समर्पण विश्वविद्यालय के लिए हमेशा प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। इस अवसर पर डिप्टी रजिस्ट्रार पुष्पा कश्यप, डॉ वेद प्रकाश मिश्रा, डॉ अनुपम तिवारी सहित अन्य लोगों ने इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हिप रिप्लेसमेंट खराब, सिम्स के डॉक्टरों ने की रिविजन सर्जरी

बिलासपुर। डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय में पहली बार एक साथ 7 कर्मियों के सेवानिवृत्त होने पर विश्वविद्यालय परिवार ने वर्षों तक अपनी सेवाएं देने वाले कर्मियों के योगदान को याद करते हुए उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी। सेवानिवृत्त होने वालों में एसोसिएट प्रोफेसर आर.के. सिंह , सुरेंद्र कुमार सोनी , मृत्युंजय पांडे , अरुण कुमार जायसवाल , शत्रुघ्न सिंह , भगवान सिंह एवं बलराम गुप्ता शामिल हैं। सभी ने अपने कार्यकाल के दौरान विश्वविद्यालय के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। समारोह में कुलसचिव डॉ. अरविंद तिवारी, डिप्टी रजिस्ट्रार पुष्पा कश्यप, डिप्टी रजिस्ट्रार प्रशासन नीरज कश्यप एवं डॉ. वेद प्रकाश मिश्रा सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने विचार व्यक्त किए और सेवानिवृत्त कर्मियों के समर्पण, ईमानदारी एवं कार्यनिष्ठा की सराहना की। कुल सचिव डॉ. अरविंद कुमार तिवारी ने कहा कि सेवानिवृत्ति किसी यात्रा का अंत नहीं, बल्कि एक नए अध्याय की शुरुआत है। डिप्टी रजिस्ट्रार नीरज कश्यप ने कहा कि इनकी कार्यशैली और समर्पण विश्वविद्यालय के लिए हमेशा प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। इस अवसर पर डिप्टी रजिस्ट्रार पुष्पा कश्यप ने कहा कि इन कर्मियों ने अपने व्यवहार और कार्य से एक आदर्श स्थापित किया है। डॉ वेद प्रकाश मिश्रा ने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार इनके उज्ज्वल भविष्य और सुखद जीवन की कामना करता है। अंत में सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को स्मृति चिन्ह एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ अनुपम तिवारी ने किया।

छग एजुकेशन एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का गठन

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ एजुकेशन एंड ट्रेनिंग एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। कार्यकारिणी में अध्यक्ष मनीष जैन, उपाध्यक्ष कपिल अग्रवाल, सचिव डॉ. सचिन यादव, सह सचिव जयेश गुंबर, कोषाध्यक्ष अरविंद कुमार तथा सह कोषाध्यक्ष श्रद्धा मिश्रा को मनोनीत किया गया। बैठक में संरक्षक सदस्य रविंद्र प्रताप सिंह, ब्रजेंद्र शुक्ला, संदीप गुप्ता, डॉ. किरणपाल सिंह चावला, सौरभ चतुर्वेदी एवं नवनीत राठौर , सुदीप साव सहित अन्य सदस्यों ने अपने सुझाव दिए। सीईटीए पिछले कई वर्षों से छात्रों के हित में सक्रिय रूप से कार्य करता आ रहा है। संगठन द्वारा समय-समय पर नवाचार के साथ मोटिवेशनल सेमिनार आयोजित किए जाते हैं, जिससे विद्यार्थियों को सही दिशा और प्रेरणा मिल सके। इसके साथ ही छात्रों के लिए विशेष काउंसलिंग सत्र, बाहर से आने वाले विद्यार्थियों के लिए बेहतर सुविधाओं की व्यवस्था तथा आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को सहायता प्रदान करने जैसे महत्वपूर्ण कार्य निरंतर किए जा रहे हैं। इसके अलावा इसमें पूर्व में भी कई प्रभावशाली एवं सराहनीय कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें "असफलता से सफलता" जैसे प्रेरणादायक सेमिनार, स्कॉलरशिप एग्जाम, रोजगार मेला तथा व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम शामिल हैं।

बाल संस्कार शिविर में बच्चों ने किया कौशल का प्रदर्शन

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ सिंधी साहित्य अकादमी के तत्वावधान में पूज्य सिंधी सेंट्रल पंचायत महिला विंग एवं भारतीय सिंधु सभा महिला शाखा द्वारा झूलेलाल मंगलम तिफरा में 2 मई से आयोजित दो दिवसीय "बाल संस्कार शिविर का समापन हो गया। कैंप के दौरान बच्चों ने फायरलेस कुकिंग, सिंधी भाषा शिक्षण, योग एवं ध्यान, ड्रामा, डांस, इमोशन कंट्रोल एवं पर्सनल हाइजीन तथा विभिन्न खेलों मे भाग लिया। इस सफल आयोजन में कोमल मेलवानी, मोहित कुमार बंशिवाल, रिया बजाज , कंचन जेसवानी, विनीता चिमनानी एवं जगदीश जग्यासी, मिष्टी भगवानी, गरिमा शाहनी, नेहा डोडेजा तथा डॉ. अभिषेक कलवानी, विनोद मेंघानी, शंकर मनचंदा , कंचन मलघानी एवं गरिमा साहनी के साथ मोनिका सिदारा, भारती सचदेव , नीलू गिदवानी, आदि का सहयोग रहा।

रेलवे ट्रक मालिक संघ ने मनाया मजदूर दिवस

बिलासपुर। रेलवे परिक्षेत्र नया माल गोदाम में रेलवे कामगार मजदूर यूनियन एवं ट्रक मालिक संघ ने संयुक्त रूप से अंतराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर श्रमिक हितो में संगठित होकर लडने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अभयनारायण राय, कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष शत्रुहन रात्रे ने की। विशिष्टि अतिथि महेश दुबे टाटा, महेंद्र सिंह छाबरा, अजय अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, विशाल मरावी, संगठन के महासचिव उबारन कुर्रे रहे। कार्यक्रम को शत्रुहन रात्रे, महेश दुबे, महेन्द्र सिंह छाबरा, अजय अग्रवाल , शेख मकसूद, हरविन्दर सिंह, अभयनारायण राय ने संबोधित किया। कार्यक्रम में आशुतोष शर्मा, विनोद रात्रे, हरविंदर सिंह, राजू धनवा, बलविंदर सिंह राय, सहनवाज खान, मो शेख हुसैन, गौतम तिवारी आदि मौजूद थे।

एजुकेशन प्लस

प्रयास अकादमी, राजकिशोर नगर मोपका का शानदार परीक्षा परिणाम

बिलासपुर। राजकिशोर नगर (मोपका) प्रयास अकादमी ने इस वर्ष 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 95% सफलता दर प्राप्त की है।

माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम में विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय अंक हासिल किया है। 12वीं में सुजल वर्मा - 93%, हर्ष यादव - 90% अनिशा सोनी - 90%, देबोजीत बनर्जी - 88%, रोशनी यदु - 85%, शिवम राठौर - 80%, 10वीं कक्षा में रोशनी यादव - 90%, शिवनारायण साहू – 84%, उषा साहू - 84% कविता - 81%, अदिति - 80% अंक प्राप्त किया। प्रयास ग्रुप ऑफ़ इंस्टीटूशन्स के चेयरमैन डॉ. सचिन यादव ने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पण एवं अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है।

चौकसे में आईएसटीई एवं बीएनवी प्रायोजित एआई-एमएल पर कार्यशाला

बिलासपुर। चौकसे इंजीनियरिंग कॉलेज में "सिविल इंजीनियरिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग के अनुप्रयोग" विषय पर एक

दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला संयोजक डॉ. शुभलक्ष्मी तिवारी ने एआई एवं एमएल की सिविल इंजीनियरिंग क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। चौकसे ग्रुप ऑफ कॉलेजेस के चेयरमैन डॉ. आशीष जायसवाल प्राचार्य डॉ. केसी महाजन, डॉ. विजय कुमार वैद्य , डॉ. नितिन जैन, एसोसिएट प्रोफेसर, इंजी. मनवेंद्र निगम, प्रो. पवन लभासेटवार मद्रास, डॉ. बी. सुधीर कुमार रेड्डी पुणे, डॉ. अंशुल यादव रुड़की एवं डॉ. अर्पिता घोष गुवाहाटी आदि ने शिरकत की।

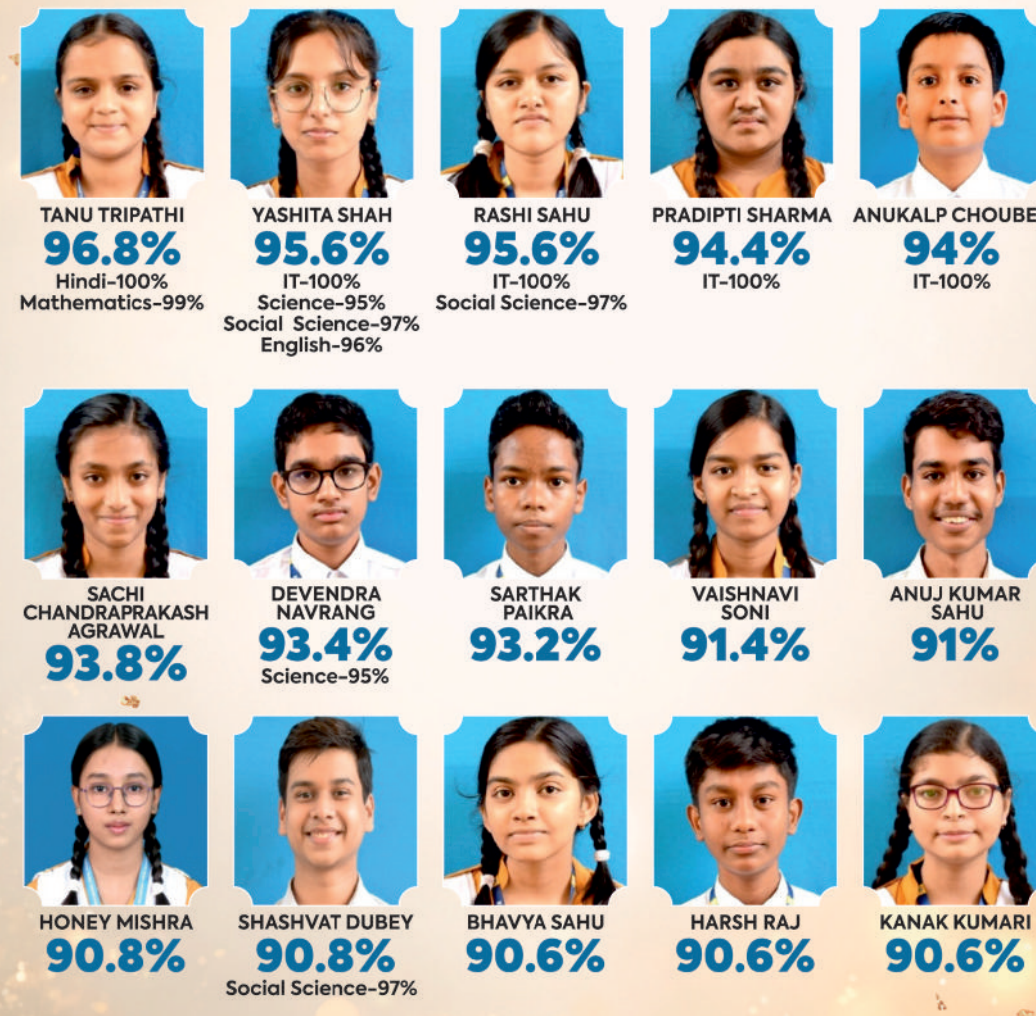

आवश्यकता है

सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुंगेली में आचार्य/आचार्या की आवश्यकता है
पूर्व प्राथमिक / प्राथमिक / पूर्वमाध्यमिक / हाईस्कूल / हायर सेकेण्डरी कक्षाओं के अध्यापन हेतु

क्र.	विभाग	विषय	पद	योग्यता	वेतनमान
01	प्राथमिक	संपूर्ण विषय	4	हायर सेकेण्डरी द्वितीय श्रेणी से / डी.एड / डी.एल.एड	5000 से 6000
02	पूर्व माध्यमिक	विज्ञान, अंग्रेजी, गणित	5	स्नातक एवं बी.एड / डी.एड / डी.एल.एड	6000 से 7000
03	हाई स्कूल	अंग्रेजी	1	स्नातकोत्तर एवं बी.एड/डी.एड	7000 से 8000
04	हायर सेकेण्डरी	अंग्रेजी, जीव विज्ञान	2	स्नातकोत्तर एवं बी.एड/डी.एड	9000 से 10000
05	भृत्य	पुरूष	1	आठवी उत्तीर्ण	4000
06	चौकीदार	पुरूष	1	निवास की व्यवस्था	उपस्थित होकर चर्चा करके
07	खेल शिक्षक	पुरूष	1	बी.पी.एड. / एम.पी.एड.	6000 से 7000

अनुभवी को प्राथमिकता :
टीप :- 1. दिनांक 05/05/2026 से 20/05/2026 तक विद्यालय से फार्म प्राप्त कर, उसे भर कर समस्त योग्यतओं के परिणाम की छायाप्रति लगाकर विद्यालय में जमा करें। 2. दिनॉक 24/05/2026 दिन रविवार को मूल प्रमाण पत्रों के साथ साक्षात्कार हेतु प्रात: 8 :30 बजे विद्यालय में उपस्थित होना है। 3. जानकारी हेतु दुरभाष नंबर 9893431207, 96307440101, 9754561434, 9098587777, 9691701065 में संपर्क करें। 4. वेतनमान योग्यतानुसार देय होगा।

संस्कृति संगम सेवा समिति ने खोला प्याऊ

बिलासपुर। संस्कृति संगम सेवा समिति की अध्यक्ष सुनयना नायर और सचिव श्वेता पटेल के नेतृत्व में गांधी चौक करबला मार्ग में प्याऊ घर का शुभारंभ किया गया। इसका उद्घाटन वार्ड पार्षद रंगा नादम ने फीता काटकर किया। यह प्याऊ घर पूरे ग्रीष्मकाल तक सुबह 8 से शाम 6 बजे तक संचालित किया जाएगा।

टर्म इंश्योरेंस लेते समय रखें ध्यान, वरना टूट जाएगा 'सुरक्षा कवच'

सुझाव | बिजनेस डेस्क

टर्म इंश्योरेंस किसी भी व्यक्ति की वित्तीय योजना का सबसे अहम हिस्सा होता है। यह वह सुरक्षा कवच है, जो आपके न रहने पर आपके परिवार को आर्थिक संकट से बचाता है। लेकिन अक्सर लोग जानकारी के अभाव या थोड़े पैसे बचाने के लालच में ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिनका खामियाजा उनके परिवार को उठाना पड़ता है। कई मामलों में तो क्लेम तक रिजेक्ट हो जाता है और पूरी योजना बेकार साबित हो जाती है। इसलिए जरूरी है कि टर्म इंश्योरेंस लेते समय कुछ बुनियादी बातों का खास ध्यान रखा जाए।

पर्याप्त कवर न लेना: सबसे बड़ी भूल

अक्सर लोग कम प्रीमियम के चक्कर में कम बीमा राशि चुन लेते हैं। यह सबसे गंभीर गलती है। बीमा का उद्देश्य केवल औपचारिकता पूरी करना नहीं, बल्कि परिवार को पूरी आर्थिक सुरक्षा देना है। विशेषज्ञों के अनुसार, आपकी बीमा राशि आपकी सालाना आय का कम से कम 15 से 20 गुना होनी चाहिए। इसके अलावा, होम लोन, कार लोन और अन्य देनदारियों को भी इसमें शामिल करना जरूरी है, ताकि आपके बाद परिवार पर कर्ज का बोझ न आए।

बीमा लेने में देरी करना

कई लोग यह सोचकर टर्म इंश्योरेंस लेने में देरी करते हैं कि वे अभी युवा और स्वस्थ हैं। लेकिन बीमा के मामले में देरी महंगी पड़ती है। कम उम्र में प्रीमियम सस्ता होता है और वह पूरे कार्यकाल के लिए लॉक हो जाता है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, बीमारियों का खतरा बढ़ता है और बीमा लेना मुश्किल या महंगा हो सकता है। इसलिए जितनी जल्दी हो सके, टर्म प्लान लेना समझदारी है।

क्लेम सेटलमेंट रेशियो को नजरअंदाज करना

सिर्फ कम प्रीमियम या बड़े ब्रांड के नाम पर कंपनी चुनना सही नहीं है। सबसे जरूरी है कंपनी का क्लेम सेटलमेंट रेशियो (सीएसआर), जो बताता है कि कंपनी कितने प्रतिशत क्लेम्स का भुगतान करती है। हमेशा ऐसी कंपनी चुनें, जिसका सीएसआर 95% या उससे अधिक हो। इससे यह भरोसा मिलता है कि जरूरत पड़ने पर आपका परिवार क्लेम पाने में परेशानी का सामना नहीं करेगा।

नॉमिनी की गलत या पुरानी जानकारी

नॉमिनी की जानकारी सही और अपडेट होना बेहद जरूरी है। कई बार लोग नॉमिनी का नाम या अन्य विवरण अपडेट नहीं करते, जिससे क्लेम के समय कानूनी जटिलताएं पैदा हो जाती हैं। शादी, तलाक या नॉमिनी के निधन जैसी स्थितियों में तुरंत जानकारी अपडेट करना जरूरी है। साथ ही, अपडेट का प्रमाण भी संभालकर रखना चाहिए।

राइडर्स व एड-ऑन्स को नजरअंदाज करना

टर्म इंश्योरेंस के साथ मिलने वाले राइडर्स आपके प्लान को और मजबूत बनाते हैं, लेकिन लोग थोड़े पैसे बचाने के लिए इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। यह एक बड़ी गलती है। क्रिटिकल इलनेस राइडर गंभीर बीमारियों में आर्थिक सहायता देता है, वहीं प्रीमियम वेवर राइडर विकलांगता या बीमारी की स्थिति में भविष्य के प्रीमियम माफ कर देता है। एक्सीडेंटल डेथ बेनिफिट भी परिवार को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करता है। ये छोटे-छोटे एड-ऑन्स मुश्किल समय में बड़ा सहारा बनते हैं।

स्वास्थ्य और जानकारी छुपाना

बीमा लेते समय अपनी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, धूम्रपान की आदत या पहले से चल रही बीमारियों को छुपाना सबसे खतरनाक गलती है। बीमा कंपनी आपके मेडिकल रिकॉर्ड की जांच करती है, और यदि जानकारी गलत पाई जाती है तो क्लेम रिजेक्ट हो सकता है। इसलिए पूरी पारदर्शिता रखना बेहद जरूरी है। ईमानदारी ही यह सुनिश्चित करती है कि जरूरत के समय आपका परिवार बिना किसी परेशानी के क्लेम प्राप्त कर सके।

सही कवर चुने

टर्म इंश्योरेंस कोई निवेश नहीं, बल्कि आपके परिवार के भविष्य की सुरक्षा का वादा है। इसे लेते समय छोटी-छोटी गलतियां भी बड़े नुकसान का कारण बन सकती हैं। सही कवर चुनना, समय पर पॉलिसी लेना, कंपनी की विश्वसनीयता जांचना और पूरी ईमानदारी से जानकारी देना ये सभी बातें आपके फैसले को मजबूत बनाती हैं। याद रखें, आज लिया गया एक सही निर्णय आपके परिवार को कल आर्थिक संकट से बचा सकता है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- सिर्फ चांदी नहीं, पोर्टफोलियों में डाइवर्सिफिकेशन ही असली ताकत
- ईटीएफ और डिजिटल सिल्वर भी बन रहे हैं निवेशकों की पसंद

40% टूटी चांदी, सावधानी और धैर्य के साथ करेंगे निवेश तो होगा लाभ

चांदी की गिरावट में छिपा मौका लेकिन रणनीति भी बेहद जरूरी

जनवरी 2026 में जहां चांदी 4 लाख रुपये प्रति किलो के स्तर को पार कर गई थी, वहीं अब यह करीब 2.3–2.4 लाख रुपये के दायरे में कारोबार कर रही है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है। क्या यह गिरावट खरीदारी का सुनहरा अवसर है या अभी सतर्क रहने का समय?

चांदी (सिल्वर) की कीमतों में हालिया गिरावट ने निवेशकों के बीच नई बहस छेड़ दी है। जो धातु साल 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए निवेशकों की पहली पसंद बनी हुई थी, वही अब अपने ऑल टाइम हाई से करीब 40% नीचे फिसल चुकी है। जनवरी 2026 में जहां चांदी 4 लाख रुपये प्रति किलो के स्तर को पार कर गई थी, वहीं अब यह करीब 2.3–2.4 लाख रुपये के दायरे में कारोबार कर रही है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है—क्या यह गिरावट खरीदारी का सुनहरा अवसर है या अभी सतर्क रहने का समय?

गिरावट के पीछे क्या हैं कारण

चांदी की कीमतों में आई इस तेज गिरावट के पीछे कई वैश्विक और आर्थिक कारण एक साथ काम कर रहे हैं। सबसे प्रमुख कारण अमेरिकी डॉलर की मजबूती है। जब डॉलर मजबूत होता है, तो अन्य देशों के लिए चांदी खरीदना महंगा हो जाता है, जिससे इसकी मांग में कमी आती है और कीमतों पर दबाव बनता है। इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की उम्मीद ने भी निवेशकों के रुझान को बदला है। निवेशक अब ऐसे विकल्पों की ओर झुक रहे हैं जो उन्हें नियमित आय दे सकें। चूंकि चांदी से कोई ब्याज या डिविडेंड नहीं मिलता, इसलिए इसमें निवेश अपेक्षाकृत कम आकर्षक हो जाता है। तीसरा बड़ा कारण है मुनाफावसूली। लंबे समय तक तेजी के बाद निवेशकों ने अपने मुनाफे को सुरक्षित करना शुरू किया, जिससे बाजार में बिकवाली बढ़ी और कीमतें तेजी से नीचे आईं।

इंडस्ट्रियल डिमांड: चांदी की ताकत

चांदी की खासियत यह है कि यह केवल निवेश का माध्यम नहीं है, बल्कि इसका बड़ा उपयोग उद्योगों में भी होता है। इसकी कुल मांग का 60% से अधिक हिस्सा इंडस्ट्रियल सेक्टर से आता है। इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर पैनल, ऑटोमोबाइल और ग्रीन एनर्जी जैसे सेक्टर में चांदी की मांग लगातार बढ़ रही है। विशेष रूप से सोलर इंडस्ट्री में इसका उपयोग तेजी से बढ़ा है, जो भविष्य में इसकी कीमतों को मजबूती दे सकता है। यही वजह है कि भले ही कीमतों में गिरावट आई हो, लेकिन इसके फंडामेंटल अभी भी मजबूत माने जा रहे हैं।

जियोपॉलिटिकल तनाव का असर

वैश्विक तनाव भी चांदी की कीमतों को प्रभावित करते हैं। आमतौर पर जब दुनिया में अनिश्चितता बढ़ती है, तो निवेशक सुरक्षित विकल्पों जैसे सोना और चांदी की ओर रुख करते हैं। लेकिन इस बार स्थिति थोड़ी अलग रही। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण निवेशकों ने नकदी को प्राथमिकता दी। ऐसे हालात में अक्सर देखा जाता है कि अच्छे एसेट्स भी बिक जाते हैं, क्योंकि निवेशक अपने पोर्टफोलियो को संतुलित करने के लिए नकदी बढ़ाना चाहते हैं।

क्या यह निवेश का सही समय है?

विशेषज्ञों की राय में इस गिरावट को पूरी तरह नकारात्मक नजरिए से नहीं देखना चाहिए। यदि कीमतों में गिरावट अस्थायी कारणों जैसे डॉलर की मजबूती या बाजार की घबराहट की वजह से है, तो यह निवेश का अवसर बन सकती है। लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यह "बाय ऑन डिप्स" यानी गिरावट पर खरीदारी का अच्छा मौका हो सकता है। हालांकि, इसमें एकमुश्त निवेश करने के बजाय धीरे-धीरे निवेश करना ज्यादा सुरक्षित माना जाता है।

निवेश के लिए सही रणनीति

■ एक बार में पूरी रकम निवेश करने से बचें ■ चरणबद्ध तरीके से निवेश करें (एसआईपी या नियमित खरीदारी) ■ अपने पोर्टफोलियो में विविधता बनाए रखें ■ केवल चांदी पर निर्भर न रहें ■ ईटीएफ या डिजिटल सिल्वर जैसे विकल्पों पर भी विचार करें ■ आज के समय में कई निवेशक फिजिकल चांदी खरीदने के बजाय ईटीएफ और डिजिटल माध्यमों को प्राथमिकता दे रहे हैं, क्योंकि ये अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक होते हैं।

तकनीकी संकेत क्या कहते हैं?

तकनीकी विश्लेषण के अनुसार, चांदी के कुछ महत्वपूर्ण स्तर सामने आए हैं। अगर कीमतें 2.46 लाख के ऊपर टिकती हैं, तो आगे 2.48 लाख तक तेजी देखने को मिल सकती है। वहीं, नीचे की ओर 2.35–2.30 लाख का स्तर मजबूत सपोर्ट माना जा रहा है। इसका मतलब है कि यहां से गिरावट सीमित हो सकती है, और कीमतें स्थिर होने की संभावना बनती है।

सप्लाई-डिमांड का समीकरण

चांदी के पक्ष में एक और मजबूत फैक्टर इसका सप्लाई-डिमांड बैलेंस है। पिछले कुछ वर्षों से बाजार में सप्लाई की तुलना में मांग अधिक बनी हुई है, जिससे सप्लाई डेफिसिट की स्थिति पैदा हो गई है। इसके अलावा, चीन जैसे बड़े बाजारों से लगातार मांग बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कम इन्वेंट्री भी इस बात का संकेत देती है कि आने वाले समय में कीमतों को सपोर्ट मिल सकता है।

घबराएं नहीं, आगे बढ़ें

चांदी में आई हालिया गिरावट निश्चित रूप से चिंता पैदा करती है, लेकिन इसे पूरी तरह नकारात्मक संकेत नहीं माना जा सकता। बाजार में उतार-चढ़ाव स्वाभाविक है, खासकर तब जब किसी एसेट में पहले तेज तेजी देखने को मिली हो। लंबी अवधि के निवेशकों के लिए चांदी अभी भी एक आकर्षक विकल्प बनी हुई है, बशर्ते निवेश सोच-समझकर और रणनीति के साथ किया जाए।

यह रखें ध्यान

- जल्दबाजी में निवेश से बचें
- गिरावट को अवसर के रूप में देखें, लेकिन जोखिम समझें
- चरणबद्ध निवेश सुरक्षित तरीका है
- पोर्टफोलियो में संतुलन बनाए रखें
- निवेश का सही समय वही होता है जब आप सही रणनीति और धैर्य के साथ फैसला लेते हैं।

सुरक्षा और ग्रोथ का संतुलन बनाकर महंगाई को दें मात, अपनाएं स्मार्ट निवेश रणनीति

45 के बाद निवेश : डर नहीं, समझदारी से ही बन पाएगी 'गोल्डन' रिटायरमेंट

तैयारी | बिजनेस डेस्क

आज के दौर में महंगाई सबसे बड़ा खतरा है। जो चीज आज 100 रुपये में मिलती है, वही 15-20 साल बाद 250 रुपये या उससे अधिक में मिल सकती है। ऐसे में केवल सुरक्षित निवेश विकल्पों पर निर्भर रहना आपके पैसे की वास्तविक वैल्यू को घटा सकता है। इसलिए जरूरी है कि निवेश का एक हिस्सा ऐसे साधनों में लगाया जाए, जो महंगाई को मात दे सकें और लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न दे सकें।

45 साल की उम्र को अक्सर निवेश के लिहाज से एक 'टर्निंग पॉइंट' माना जाता है। इस उम्र में पहुंचते ही अधिकांश लोग जोखिम लेने से कतराने लगते हैं और अपनी पूरी बचत को फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) या पारंपरिक स्कीमों में डालने की सोचने लगते हैं। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यह सोच अधूरी है। दरअसल, 45 की उम्र 'फिनिश लाइन' नहीं, बल्कि रिटायरमेंट की तैयारी का सबसे अहम दौर है। अभी भी आपके पास लगभग 15 साल का समय है, जिसे सही रणनीति के साथ इस्तेमाल कर आप अपने बुढ़ापे को आर्थिक रूप से मजबूत और सुरक्षित बना सकते हैं। आज के दौर में महंगाई सबसे बड़ा खतरा है। जो चीज आज 100 रुपये में मिलती है, वही 15-20 साल बाद 250 रुपये या उससे अधिक में मिल सकती है। ऐसे में केवल सुरक्षित निवेश विकल्पों पर निर्भर रहना आपके पैसे की वास्तविक वैल्यू को घटा सकता है। इसलिए जरूरी है कि निवेश का एक हिस्सा ऐसे साधनों में लगाया जाए, जो महंगाई को मात दे सकें और लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न दे सकें।

45 के बाद निवेश का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत है संतुलन। न तो पूरा पैसा जोखिम वाले विकल्पों में लगाना समझदारी है और न ही पूरी तरह सुरक्षित विकल्पों में। इसके लिए 40:40:20 का फॉर्मूला काफी प्रभावी माना जाता है। इस फॉर्मूले के अनुसार, 40% निवेश सुरक्षा के लिए (बीमा और पेंशन योजनाएं), 40% ग्रोथ के लिए (म्यूचुअल फंड या इक्विटी) और 20% स्थिरता के लिए (सोना या सरकारी बॉन्ड) में लगाया जाना चाहिए।

बीमा और पेंशन: मजबूत नींव

45 की उम्र के बाद सबसे पहले आपको अपने और अपने परिवार की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। टर्म इंश्योरेंस इस मामले में एक मजबूत ढाल का काम करता है, जो आपके न रहने पर परिवार को आर्थिक सुरक्षा देता है। वहीं, हेल्थ इंश्योरेंस भी बेहद जरूरी है, क्योंकि इस उम्र के बाद स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ने लगते हैं और इलाज का खर्च आपकी बचत को तेजी से खत्म कर सकता है। इसके अलावा, एन्युटी या पेंशन योजनाएं रिटायरमेंट के बाद नियमित आय का भरोसा देती हैं। इससे आपको दूसरों पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं पड़ती और आप आत्मनिर्भर जीवन जी सकते हैं।

इक्विटी से दूरी बनाना गलती

अक्सर लोग यह मान लेते हैं कि 45 के बाद शेयर बाजार में निवेश करना जोखिम भरा है, इसलिए वे इससे दूरी बना लेते हैं। लेकिन यह एक बड़ी गलती हो सकती है। महंगाई को मात देने के लिए इक्विटी निवेश जरूरी है। हालांकि, इसमें निवेश सोच-समझकर और लंबे समय के नजरिए से करना चाहिए। यदि सीधे शेयर बाजार की समझ नहीं है, तो म्यूचुअल फंड के जरिए निवेश करना बेहतर विकल्प हो सकता है। जब भी बाजार में अस्थिरता बढ़ती है, सोना आपके पोर्टफोलियो को संतुलन देता है। इसलिए कुल निवेश का 10-20% हिस्सा सोने में रखना एक अच्छी रणनीति मानी जाती है।

अनुशासन और धैर्य जरूरी

45 की उम्र में सबसे बड़ा जोखिम 'जल्दी अमीर बनने' की चाह होती है। कई लोग ज्यादा रिटर्न के लालच में गलत निवेश कर बैठते हैं और अपनी पूंजी गंवा देते हैं। इसलिए इस उम्र में निवेश करते समय अनुशासन और धैर्य बेहद जरूरी है। नियमित निवेश लंबी अवधि का नजरिया सफलता की कुंजी हैं।

वित्तीय ज्ञान बढ़ाना भी जरूरी

सिर्फ निवेश करना ही काफी नहीं है, बल्कि निवेश की समझ होना भी जरूरी है। अच्छी वित्तीय किताबें पढ़ना, विशेषज्ञों की सलाह लेना और समय-समय पर अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करना आपको सही दिशा में आगे बढ़ने में मदद करता है। याद रखें, अमीर बनना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है अमीर बने रहना।

समझदारी से मैनेज करें

45 के बाद निवेश का मतलब जोखिम से भागना नहीं, बल्कि उसे समझदारी से मैनेज करना है। यह वह समय है जब आपको अपनी कमाई को सुरक्षित रखने के साथ-साथ उसे बढ़ाने पर भी ध्यान देना चाहिए। सही रणनीति, संतुलित पोर्टफोलियो और अनुशासित निवेश के जरिए आप अपने रिटायरमेंट को न केवल सुरक्षित, बल्कि आरामदायक भी बना सकते हैं। आज लिया गया सही फैसला ही आने वाले वर्षों में आर्थिक स्वतंत्रता और मानसिक शांति देगा।

बच्चों की पढ़ाई के लिए ऐसे तैयार करें 1 करोड़ का फंड

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में शिक्षा सिर्फ जरूरत नहीं, बल्कि एक बड़ा वित्तीय लक्ष्य बन चुकी है। खासकर अगर आप अपने बच्चे को विदेश में पढ़ाना चाहते हैं, तो खर्च आसानी से 1 करोड़ रुपये या उससे अधिक तक पहुंच सकता है। ऐसे में माता-पिता के सामने सबसे बड़ा सवाल यही होता है। इतनी बड़ी रकम कैसे जुटाई जाए? अच्छी बात यह है कि सही रणनीति, समय पर शुरुआत और अनुशासित निवेश के जरिए यह लक्ष्य पूरी तरह हासिल किया जा सकता है।

जल्दी शुरुआत ही सबसे बड़ी ताकत

बच्चे की पढ़ाई के लिए फंड बनाने में समय सबसे अहम फैक्टर है। अगर आपका बच्चा अभी 2–5 साल का है, तो आपके पास 12–15 साल का लंबा समय होता है। यह समय आपको कंपाउंडिंग (ब्याज पर ब्याज) का पूरा फायदा देता है। जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे, उतना कम पैसा लगाकर भी बड़ा फंड बना सकते हैं।

सही रणनीति

टर्म प्लान+एसआईपी का कॉम्बिनेशन

टर्म इंश्योरेंस क्यों जरूरी

अगर परिवार के कमाने वाले व्यक्ति के साथ कोई अनहोनी हो जाए, तो बच्चे की पढ़ाई प्रभावित न हो—इसके लिए टर्म प्लान सुरक्षा कवच का काम करता है।

एसआईपी कैसे मदद करती है?

म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए हर महीने छोटी-छोटी रकम निवेश करके बड़ा फंड बनाया जा सकता है।

ऐसे समझें

- अगर आप हर महीने 20,000 एसआईपी में निवेश करते हैं और औसतन 12% रिटर्न मिलता है, तो 12–15 साल में लगभग 90 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये तक का फंड तैयार हो सकता है।
- सिर्फ शेयर बाजार (इक्विटी) में निवेश करना जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए निवेश को संतुलित रखना जरूरी है।

पीपीएफ (पब्लिक प्रोविडेंट फंड)

अगर आप हर साल 1.5 लाख रुपये (महीने के 12,500 रुपये) पीपीएफ में निवेश करते हैं, तो 15 साल में करीब 40 लाख रुपये का फंड बन सकता है।

एसआईपी+पीपीएफ का कॉम्बिनेशन

- 10,000 मासिक एसआईपी लगभग 60 लाख रुपये
- 1.5 लाख सालाना पीपीएफ लगभग 40 लाख रुपये
- कुल मिलाकर: 1 करोड़ रुपये का लक्ष्य हासिल

बेटी के लिए सुकन्या समृद्धि योजना

अगर आपकी बेटी है, तो सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई) एक शानदार विकल्प है। इसमें सरकार द्वारा तय किया गया आकर्षक ब्याज मिलता है और यह पूरी तरह सुरक्षित है। लंबे समय में एसएसवाई से लगभग 60–70 लाख रुपये तक का फंड बन सकता है। इसके साथ 3,000–5,000 रुपये की एसआईपी जोड़ने से 1 करोड़ का लक्ष्य आसानी से पूरा किया जा सकता है।

चाइल्ड इंश्योरेंस प्लान : फायदे और सीमाएं

कुछ माता-पिता चाइल्ड इंश्योरेंस प्लान भी चुनते हैं, जिसमें बीमा और निवेश दोनों शामिल होते हैं। माता-पिता के न रहने पर भी प्रीमियम जारी रहता है। मैच्योरिटी पर बच्चे को पूरा पैसा मिलता है।

कुछ कमियां भी

- रिटर्न अपेक्षाकृत कम
- लंबा लॉक-इन पीरियड
- कम लचीलापन
- इसलिए विशेषज्ञ आमतौर पर टर्म प्लान+एसआईपी को ज्यादा बेहतर विकल्प मानते हैं। अगर आप हर साल 1–1.5 लाख रुपये का निवेश करते हैं और औसतन 10–12% का रिटर्न मिलता है, तो 12–15 साल में 1 करोड़ रुपये का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

अनुशासित निवेश व कंपाउंडिंग मामूली बचत को बना देगा बड़ा फंड

रणनीति | बिजनेस डेस्क

हर माह 10,000 के निवेश से बना सकते हैं 3 करोड़ तक, '10x12x30' के फॉर्मूले से समझें अमीर बनने का गणित, छोटी बचत, लंबा समय और कंपाउंडिंग का जादू देगा आर्थिक ताकत

हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी रिटायरमेंट लाइफ आर्थिक रूप से सुरक्षित और तनावमुक्त हो। लेकिन अक्सर यह सवाल उठता है कि करोड़ों का फंड आखिर कैसे तैयार किया जाए? क्या इसके लिए भारी-भरकम कमाई या कोई बड़ी विरासत जरूरी है? जवाब है नहीं। सही रणनीति, अनुशासन और समय के साथ आप एक सामान्य आय में भी बड़ा फंड बना सकते हैं। इसी सोच को आसान बनाने के लिए वित्तीय जगत में एक लोकप्रिय फार्मूला चर्चा में है '10x12x30' फॉर्मूला। यह कोई जादू नहीं, बल्कि एक साधारण गणित है, जो म्यूचुअल फंड एसआईपी के जरिए करोड़ों का फंड तैयार करने का रास्ता दिखाता है।

क्या है '10x12x30' फॉर्मूला?

- यह फॉर्मूला तीन मुख्य स्तंभों पर आधारित है—बचत, रिटर्न और समय।
- 10 (बचत) : हर महीने 10,000 रुपये की नियमित निवेश राशि।
- 12 (रिटर्न): औसतन 12% सालाना रिटर्न (लॉन्ग टर्म इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में संभावित)।
- 30 (समय): लगातार 30 साल तक धैर्य के साथ निवेश किया जाए।
- इन तीनों का संयोजन ही इस फॉर्मूले की ताकत है। यह बताता है कि छोटे-छोटे निवेश भी समय के साथ कितना बड़ा रूप ले सकते हैं।

कैसे बनता है 3 करोड़ रुपये का फंड

- मान लीजिए आप 30 साल की उम्र में निवेश शुरू करते हैं और 60 साल तक जारी रखते हैं।
- मासिक एसआईपी : 10,000 रुपये
- कुल अवधि: 30 साल
- अनुमानित रिटर्न: 12%
- इस दौरान आपका कुल निवेश होगा करीब 36 लाख रुपये, लेकिन कंपाउंडिंग की वजह से यह रकम बढ़कर लगभग 3.08 करोड़ रुपये तक हो सकती है।
- यानी आपने जितना पैसा लगाया, उससे कई गुना ज्यादा आपको रिटर्न के रूप में मिलता है। यही इस फॉर्मूले का असली आकर्षण है।

कंपाउंडिंग: असली गेम चेंजर

इस पूरी रणनीति की जान है कंपाउंडिंग, जिसे "ब्याज पर ब्याज" भी कहा जाता है। शुरुआती वर्षों में आपका निवेश धीमी गति से बढ़ता नजर आता है। कई लोगों को लगता है कि फायदा कम हो रहा है, लेकिन यही वह समय होता है जब नींव तैयार हो रही होती है। जैसे-जैसे समय बढ़ता है, आपका निवेश तेजी से बढ़ने लगता है। खासकर आखिरी 10-15 सालों में कंपाउंडिंग का असर विस्फोटक हो जाता है। उदाहरण के तौर पर, पहले 15 साल में जो ग्रोथ दिखती है, उससे कई गुना ज्यादा ग्रोथ अगले 15 साल में देखने को मिलती है।

जल्दी शुरुआत का बड़ा फायदा

इस फॉर्मूले का सबसे अहम हिस्सा है समय। अगर आप 30 की बजाय 25 साल की उम्र में निवेश शुरू करते हैं और 35 साल तक एसआईपी जारी रखते हैं, तो वही 10,000 की राशि करीब 6 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। इसका मतलब साफ है कि जितनी जल्दी शुरुआत करेंगे, उतना ज्यादा फायदा मिलेगा।

स्टेप-अप एसआईपी से लक्ष्य आसान

केवल 10,000 रुपये पर ही टिके रहना जरूरी नहीं है। जैसे-जैसे आपकी आय बढ़ती है, वैसे-वैसे एसआईपी राशि भी करीब 10 फीसदी तक बढ़ाई जानी चाहिए। इसे ही स्टेप-अप एसआईपी कहा जाता है।अगर आप हर साल अपनी एसआईपी में 5% से 10% की बढ़ोतरी करते हैं, तो आप 3 करोड़ का लक्ष्य और भी जल्दी हासिल कर सकते हैं। यह तरीका खासतौर पर उन लोगों के लिए उपयोगी है, जिनकी सैलरी हर साल बढ़ती है।

निवेश के दौरान रखें ध्यान

1. **अनुशासन बनाए रखें** : बाजार में गिरावट या उतार-चढ़ाव के समय एसआईपी बंद करना सबसे बड़ी गलती हो सकती है।
2. **लंबी अवधि का नजरिया रखें** : शेयर बाजार में शॉर्ट टर्म उतार-चढ़ाव सामान्य है, लेकिन लंबी अवधि में ग्रोथ की संभावना अधिक रहती है। इसलिए हमेशा लंबी अवधि के लिए निवेश करें।
3. **धैर्य जरूरी है** : पहले कुछ सालों में रिटर्न कम दिख सकता है, लेकिन धैर्य रखने से ही बड़ा फायदा मिलता है।

क्या यह फॉर्मूला हर किसी के लिए सही है

यह फॉर्मूला एक सामान्य गाइडलाइन है, न कि गारंटी। 12% रिटर्न एक अनुमान है, जो बाजार की स्थिति पर निर्भर करता है। इसलिए निवेश शुरू करने से पहले अपनी जोखिम क्षमता, लक्ष्य और समय सीमा को समझना जरूरी है। जरूरत पड़े तो वित्तीय सलाहकार से भी सलाह ली जा सकती है।

सही योजना और अनुशासन जरूरी

'10x12x30' फॉर्मूला यह साबित करता है कि अमीर बनने के लिए असाधारण आय नहीं, बल्कि सही योजना और अनुशासन जरूरी है। 10,000 रुपये जैसी साधारण मासिक बचत भी 30 साल में 3 करोड़ सही योजना और अनुशासन जरूरी से ज्यादा का फंड बना सकती है बस जरूरत है समय, धैर्य और निरंतरता की। कुल मिलाकर यही कहा जा सकता है कि निवेश की दुनिया में सबसे बड़ा हथियार पैसा नहीं, बल्कि समय और अनुशासन है। जो व्यक्ति इन दोनों को सही तरीके से इस्तेमाल करता है, वही असली मायने में आर्थिक रूप से मजबूत बनता है और आपकी आर्थिक आजादी को सुनिश्चित करता है।

हरिभूमि

बिलासपुर, रविवार 3 मई 2026

लाइव

Email id- haribhoomibsp@gmail.com

Whats App - 6263190692, 8305922255

शिविर

माता-पिता का संस्कारवान बनना ही सच्ची पेरेंटिंग

बिलासपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय बिलासपुर की मुख्य शाखा टेलीफोन एक्सचेंज रोड स्थित राजयोग भवन में अभिभावकों के लिए आयोजित सात दिवसीय "पेरेंटिंग विथ वैल्यूज़" शिविर का शुभारंभ हुआ। इसमें स्वाती दीदी ने कहा कि पेरेंटिंग केवल बच्चों को अनुशासन सिखाने का नाम नहीं है, बल्कि स्वयं माता-पिता का संस्कारवान बनना ही सच्ची पेरेंटिंग है। यह शिविर आधुनिक समय में बच्चों की परवरिश से जुड़ी चुनौतियों को मूल्यों, समझ और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ सुलझाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। शिविर के प्रथम दिवस सेवाकेंद्र संचालिका बीके स्वाति दीदी ने कहा कि आज के समय में जब बच्चों का बचपन तेजी से बदलते वातावरण, तकनीक, मोबाइल और प्रतिस्पर्धा के दबाव में आकार ले रहा है, तब माता-पिता की भूमिका केवल पालन-पोषण तक सीमित न रहकर संस्कार निर्माता की बन गई है। इसी गहरी आवश्यकता को समझते हुए अभिभावकों को यह सिखाने का प्रयास किया जा रहा है कि कैसे वे स्वयं के विचार, व्यवहार और दृष्टिकोण के माध्यम से बच्चों के जीवन को सही दिशा दे सकते हैं। बच्चे शब्दों से नहीं, बल्कि माता-पिता के व्यवहार, बोलचाल, प्रतिक्रिया और जीवन शैली से सीखते हैं। यदि हम चाहते हैं कि बच्चे शांत, आत्मविश्वासी, सम्मानशील और जिम्मेदार बनें, तो सबसे पहले हमें स्वयं उन मूल्यों को जीवन में उतारना होगा। दीदी ने बताया कि "पेरेंटिंग विथ वैल्यूज़" शिविर के सातों दिन अभिभावकों को अलग-अलग विषयों पर मार्गदर्शन दिया जाएगा।

आयोजन

बच्चों को कराया गया योग प्राणायाम का अभ्यास

बिलासपुर। ब्रह्माकुमारी ओम शांति सरोवर उसलापुर के प्रांगण पर बाल व्यक्तित्व विकास शिविर समर कैंप के दूसरे दिन शनिवार को बीके छाया दीदी ने बच्चों को योग, प्राणायाम का गहन अभ्यास कराया। दीदीजी ने बताया कि प्राणायाम के नियमित अभ्यास से ऊर्जा बढ़ती है। शरीर के वायु तत्त्व शुद्ध होते हैं। एक्सरसाइज से शरीर लचीला बनता है। उन्होंने बच्चों को आत्म-नियंत्रण और एकाग्रता के महत्त्व से अवगत कराया और कहा कि यदि हम अपने विचारों पर ध्यान रखें, तो हमारा आत्मबल बढ़ता है। मेडिटेशन द्वारा बच्चों को शांति का अनुभव कराया। बीके हेमा बहन ने बच्चों को आत्मा की वास्तविक पहचान से अवगत कराया और बताया कि आत्मा एक ज्योति बिंदु है। जिसमें मन, बुद्धि और संस्कार रहते हैं। बार-बार का कर्म हमारे चरित्र का निर्माण करता है। बीके दुर्गा बहन ने बच्चों को एकाग्रता के महत्त्व से परिचित कराया कि एकाग्रता हम सभी में है और हम इसे तब महसूस करते हैं जब हम मोबाइल या टीवी देखते हैं, लेकिन यदि हम इस एकाग्रता का सही दिशा में जैसे अच्छी पढ़ाई और सकारात्मक कार्यों में उपयोग करें, तो यह हमें हर क्षेत्र में सफलता दिलाती है।

गठन

वसुंधरा संस्था की बनाई गई नई कार्यकारिणी, संजना बनी अध्यक्ष

बिलासपुर। लायंस क्लब इंटरनेशनल बिलासपुर वसुंधरा संस्था की 2026-27 की नई कार्यकारिणी का गठन करने अप्रैल माह में क्लब की एक बीओडी मीटिंग रखी गई। जिसमें अध्यक्ष संजना मिश्रा, सचिव मंजू मिश्रा को बनाया गया है। सबसे पहले मंगला देवरस को नॉमिनेशन कमेटी की चेयरपर्सन नियुक्त किया गया। अध्यक्ष रश्मि लता मिश्रा एवं सचिव अर्चना तिवारी ने नई कार्यकारिणी की घोषणा की। जिसमें अध्यक्ष पीएमजेएफ संजना मिश्रा, सचिव मंजू मिश्रा, कोषाध्यक्ष गायत्री कश्यप, प्रथम उपाध्यक्ष मंगला देवरस, द्वितीय उपाध्यक्ष हंसा सेलारका, तृतीय उपाध्यक्ष मंगला कदम, सह सचिव सुधा परिहार, सह कोषाअध्यक्ष शोभा चाहिल, टेमर उषा मुदलियार, टेलट्विस्टर किरण वाजपेई, पीआरओ शारदा कश्यप को नियुक्त किया गया है। बीओडी मेंबर में अर्चना तिवारी, शोभा त्रिपाठी, विनीता मिश्रा, रत्ना खरे, सावित्री जायसवाल, मंजुला शिंदे, साधना दुबे, शोभा चाहिल, मंगला कदम मंजू तिवारी सुजाता मिश्रा, इंटरनेशनल पद में क्लब डायरेक्टर सलमा बेगम, क्लब एडमिनिस्ट्रेटर अर्चना तिवारी, एलसीआईएफ चेयर पर्सन सुधा परिहार, मेंबरशिप चेयरपर्सन रश्मि लता मिश्रा, सर्विस चेयरपर्सन डॉ शोभा त्रिपाठी, रश्मि लता मिश्रा को शामिल किया गया है।

राटा पूजा के साथ धार्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ

महापौर पूजा भी हुईं शामिल, मरीमाईं माता पूजा उत्सव समिति का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

श्री मरीमाईं माता पूजा उत्सव समिति के अध्यक्ष डॉ अजय सिंह एवं सचिव एन. मनोहर राव ने बताया कि अनुष्ठान के पहले दिन शनिवार को माताजी की पूजा का शुभारंभ काष्ठ देवता पूजा (राटा पूजा) से किया गया। काष्ठ देवता पूजा को तीन सुहागिन महिलाओं ने शुरू किया।

जिसमें ई. शुभांगनी, एन. कृष्णवेणी, के. उमा शामिल रहीं। पीतल की गुंडी को हल्दी से लेप व श्रृंगार कर हल्दी मिला मिश्रित पानी गुंडी में डालकर नीम, मोंगरा फूल से सजाया गया। जिसे तीनों सुहागिन महिलाएं अपने शीश में रखकर चल रहीं थीं। 5 बाल पुजारी साईं केशव, के. सुशांत, अंकुश कावड़े, ओंकार, आर. तरुण शरीर में हल्दी का लेप लगाकर राटा पूजा के लिए पाल कोम्मा (मदार का पौधा) की टहनी को कंधे में रखकर माताजी की शोभायात्रा के साथ चल रहे थे। शोभायात्रा डबली बाजा, ताशा, वाद्य यंत्रों एवं आतिशबाजी के साथ सुबह ई. भाग्यलक्ष्मी रेल्वे क्वाटर निवास से आरटीएस कालोनी, पार्क के पास, कंस्ट्रक्शन कालोनी होते हुए पूजा पंडाल पहुंची। पूजा स्थल में खड़गपुर से आए पुजारी के. सुधा ने दक्षिण पद्धति से विधि-विधान से पूजा कराई। इसके बाद इस टहनी की पूजा पंडाल के स्टेज के पीछे स्थापना की गई। इस मौके पर लगभग 300 भक्तजन उपस्थित थे। जिसमें अधिकांश महिलाएं थीं। पूजा पंडाल में सभी भक्तजनों को मठ्ठा शरबत वितरण किया गया। महाप्रसाद भोजन की व्यवस्था की गई। राटा पूजा में महापौर पूजा विधानी भी शामिल हुईं। अनुष्ठान को सफल बनाने में श्री मरीमाईं माता पूजा उत्सव समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का सहयोग मिल रहा है।

श्री मरीमाईं माता पूजा उत्सव समिति द्वारा दुर्गा पंडाल कंस्ट्रक्शन कालोनी रेलवे में शनिवार को राटा पूजा कर धार्मिक अनुष्ठान आरंभ किया गया है। यह अनुष्ठान 11 मई तक चलेगा। पूजा आयोजन का यह 20 वां वर्ष है।

आज होगी पोतराजू की पूजा

3 मई रविवार को रात्रि 12 बजे पोतराजू की पूजा की जाएगी। खड़गपुर से आए पुजारी के. सुधाकर राव के अनुसार पोतराजू की पूजा की मान्यता यह है कि माताजी की आगमन के पहले रात के 12 बजे पोतराजू की स्थापना दक्षिण पद्धति से पूजा होने के बाद होती है। जिसे माताजी के पंडाल में बने स्टेज के सामने पंडाल के बाहर स्थापित की जाती है। स्थापना लगभग 25 फीट लकड़ी के स्तंभ में पीले कलर में आकर्षक रंगरोहन कर स्तंभ के शीश पर मोंगरे फूल, नीम पत्ती और हिंदू प्रतीक ध्वज लगाकर की जाती है।

कल निकाली जाएगी शोभायात्रा

माताजी की भव्य शोभायात्रा 4 मई सोमवार को शाम 6 बजे रेल्वे परिक्षेत्र लोको कालोनी में स्थित श्री त्रिपुरी सुंदरी मरीमाई माता मंदिर से निकलेगी जो कि रेल्वे परिक्षेत्र में भ्रमण करते हुए कंस्ट्रक्शन कालोनी पूजा पंडाल पहुंचेगी।

आस्था, भक्ति उत्सव का संगम

रेलवे क्षेत्र स्थित बराखोली बंगला यार्ड में आयोजित श्रीश्री सोलापुरी माता पूजा में आठवें दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। इस अवसर पर माता को दिव्य स्वरूप मां महाकाली के रूप में सजाया गया। इससे आस्था, भक्ति व उत्सव का संगम देखने को मिला।

सोलापुरी माता पूजा में उमड़ी भीड़

खड़कपुर से आए पुजारी पार्थ सारथी, बाल पुजारियों एवं उनके सहयोगी द्वारा गीली हल्दी से बनाई गई सोलापुरी माता की प्रतिमा की पूजा-अर्चना की गई। ढपली की थाप पर महाआरती हुई। आरती में काली नृत्य ने भक्तों का मन मोह लिया। रात्रि में भव्य जागरण कृष्णा लाइट, केके. राव एवं नीरज लाइट के सौजन्य से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विधायक अमर अग्रवाल, महापौर पूजा विधानी, दीपक सिंह ठाकुर एवं सुशांत शुक्ला ने समिति के प्रयासों की सराहना की। महाप्रसाद का वितरण सोलापुरी माता पूजा समिति के सौजन्य से किया गया। पूजा का समापन रविवार 3 मई को होगा।

लकी ड्रा का सौजन्य एम.के. प्राइड सिटी का रहा। विजेता बच्चों में जया बन्या, आराध्या, तनिष्का शामिल रहे। कुमकुम पूजा के विजेता एस. मंजुला, बी. पार्वती, भगवती साहू, वी. सुनीता बाबू खोली, ललिता मंडल तरबाहर, वी. श्रीलता सिरगिट्टी शामिल रहीं। महिलाओं के लिए साड़ी लकी ड्रा पद्मा गोविंद राजू के सौजन्य से निकाला गया।

बौद्ध समाज ने मनाई बुद्ध जयंती

बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव के अवसर पर बुद्धयान सोसायटी बौद्ध समाज भारत द्वारा तिफरा में बुद्ध जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें धम्म सूत का पठन हुआ। बुद्ध के गीतों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया गया।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

कार्यक्रम का शुभारंभ श्रमनेर भंते बोधिसिरी ने परित्रण पाठ के पठन की किया। इसके बाद धम्म देशना का लाभ बौद्ध समाज के लोगों ने लिया। गीतों की प्रस्तुति दी गई। जिसमें उपस्थित बुद्धयान सोसायटी परिवार के सदस्यों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। भगवान बुद्ध के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने, विश्व में शांति स्थापित हो, सबके मंगल के लिए गाथाओं का पाठ किया गया। कार्यक्रम स्थल से धम्म शांति रैली निकाली गई जो कि तिफरा होते हुए आनंद बुद्ध विहार, पंचशील नगर, यदुनंदन नगर में समापन किया गया। बुद्धयान सोसायटी ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ के आजीवन संरक्षक के लिए श्रमणेर भंते बोधिसिरी, अध्यक्ष विनोद बौद्ध, उपाध्यक्ष प्रतिभा संतोष बौद्ध को नियुक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन बुद्धयान सोसायटी ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ के महासचिव मनोज बौद्ध ने किया।

कार्यक्रम में महिपाल सिंह बौद्ध, मनोज, जेपी बौद्ध, संतोष बौद्ध कोरबा, बसंत, लोकेश पूजा, शीला, दयाल, विनोद के. बौद्ध, अशोक, सुश्री संध्या, सुमनलता, सीमा, यशोधरा, प्रफुल्ल, रज्जू, सागर, अंकित, ऋतिक, कल्याणी, वैशाली, आशा, कपिल बौद्ध सहित बौद्ध समाज के उपासक-उपासिकाओं की काफी तादाद में मौजूदगी रही।

वेंकटेश मंदिर में ब्रह्मोत्सव के समापन पर महाभिषेक

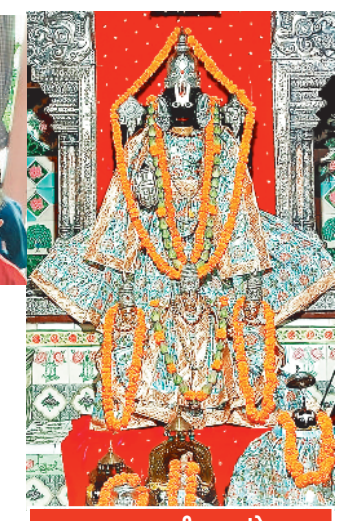

भजन, महाआरती कर बांटे प्रसाद

बिलासपुर। श्री वेंकटेश मंदिर सदर बाजार में ब्रह्मोत्सव 2026 का आयोजन किया गया है। इस उत्सव के समापन पर शनिवार को सुबह भगवान का महाअभिषेक कर भजन कीर्तन किया गया। मध्याह्न 12 बजे भगवान की महाआरती कर प्रसाद वितरण किया गया।

श्री वेंकटेश सेवादार समिति बिलासपुर द्वारा आयोजित इस उत्सव के उपलक्ष्य में शाम 4 से 6 बजे तक मानस प्रवचन, शाम 7 से 9 बजे भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा है। मानस प्रवचन में कथा व्यास पं. नरेंद्र कुमार शुक्ला द्वारा मानस में संत महिमा विषय पर प्रकाश डाला जा रहा है। मानस प्रवचन 4 मई तक प्रतिदिन शाम 4 से 6 बजे तक चलेगा। पूजा कार्यक्रम को सफल बनाने समिति के सदस्यों एवं सेवादारों का सहयोग मिल रहा है।

हज़ारों घरों में एक साथ गूंजे गायत्री मंत्र

बुद्ध पूर्णिमा के उपलक्ष्य में बिलासपुर जिले में एक अभूतपूर्व आध्यात्मिक दृश्य देखने को मिला। 'गृहे-गृहे गायत्री यज्ञ' अभियान के तहत जिले के हज़ारों घरों में एक ही समय पर एक साथ गायत्री महायज्ञ किया गया। इससे पूरा शहर भक्तिमय हो गया।

गायत्री परिवार के कार्यकर्ताओं ने बताया कि भगवान बुद्ध के शांति संदेश और गायत्री माता की सद्बुद्धि की प्रार्थना के संगम ने पूरे जिले को सकारात्मक ऊर्जा से सराबोर कर दिया।गायत्री शक्तिपीठ विनोबानगर, कपिल नगर सरकंडा, सुधा विहार कुदुदण्ड, नर्मदा नगर सहित अन्य स्थानों के हज़ारों घरों सहित जिले के विभिन्न विकासखंडों और ब्लॉक स्तर पर हज़ारों परिवारों ने अपने घरों में यज्ञ वेदी स्थापित कर विश्व शांति और लोक कल्याण की कामना की। उन्होंने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य संस्कारवान पीढ़ी का निर्माण, नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से जोड़ना और घरों में सात्विक वातावरण निर्मित करना रहा। यज्ञ में बच्चों और युवाओं की भागीदारी विशेष रूप से सराहनीय रही। संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के अथक प्रयास से यह अभियान जन आंदोलन का रूप ले चुका है। जिले के समन्वयक और विभिन्न प्रकोष्ठों की प्रभारियों ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य 'हर घर आंगन, गायत्री माता' के संकल्प को पूरा करना है। यज्ञ के समापन पर सभी परिजनों ने समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने और पौधारोपण व जल सेवा जैसे सामाजिक कार्यों में अपना योगदान देने का संकल्प लिया।

स्पोर्टर्स न्यूज

मुंगेली नाका में कबड्डी के खिलाड़ियों का सम्मान

बिलासपुर। मुंगेली नाका में आयोजित कबड्डी प्रीमियर लीग के समापन अवसर पर पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी ने विजेता एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान खिलाड़ियों के उत्साह और खेल भावना की सराहना की गई। मुख्य अतिथि श्री सूर्यवंशी ने कहा कि ऐसे आयोजनों से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिलता है और खेलों के प्रति युवाओं में जागरूकता बढ़ती है। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ, जहां खिलाड़ियों और दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला।

छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ की बैठक में 28 जिलों ने लिया भाग

छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ द्वारा 28 अप्रैल को रायपुर में बैठक आयोजित किया गया। जिले के सचिव / अध्यक्ष द्वारा बैठक में भाग लेने के लिए आदेशित किया गया था। छत्तीसगढ़ एथलेटिक संघ के प्रवक्ता हेमंत सिंह परिहार ने बताया कि बैठक में 28 जिलों ने भाग लिया।

अध्यक्ष दक्षिण एशियाई एथलेटिक्स महासंघ डॉ ललित कुमार भनोट, महासचिव झारखंड ओलंपिक संघ डॉक्टर मधु कांत पाठक , अध्यक्ष मध्य प्रदेश एथलेटिक्स संघ मुमताज खान एवं ई.बी. स्टालिन जॉन्स कोषाध्यक्ष भारतीय एथलेटिक्स महासंघ नई दिल्ली शामिल हुए। इन्होंने जिले के सभी यूनिटों को रजिस्ट्रेशन कराने संघ, खाता खुलवाने अर्थात बैंक अकाउंट खोलना और पैन कार्ड बनाने का आदेश दिया। जिले स्तर पर सब जूनियर , जूनियर सीनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं के आयोजन पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि स्कूल , महाविद्यालय और विश्वविद्यालय और अन्य विभाग को अर्थात रेलवे, पुलिस ,फॉरेस्ट इत्यादि को जोड़ने के लिए आदेशित किया गया। ट्रेनिंग के मामले में कोचिंग के मामलों को गहराई से अध्ययन किया गया। आगे के खिलाड़ियों पर ओवरलोड ज्यादा नहीं देना नशीली दावाओं पर प्रतिबंध लगाने के लिए चर्चा की गई। टेक्निकल पदाधिकारी प्रशिक्षक को हर जिले में पदस्थ करने कहा गया। श्री भनोट ने कहा कि सभी जिलों को अपने कार्य को बेहतर ढंग से करना होगा अन्यथा उनकी गतिविधियों पर ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ में बहुत ज्यादा पोटेंशियल है इसको निखारने की जरूरत है। छत्तीसगढ़ की गतिविधि बेहतर नहीं होने के कारण एड- एचओसी कमेटी बनाई गई है।

श्री नाथ नेत्रालय

आपकी नज़र को कभी नज़र न लगे

Cataract & Cornea Surgery Specialist

Thank you for trusting us

उपलब्ध सुविधाएँ :

- विश्वस्तरीय मशीनी जाँच
- मोतियाबिंद की सर्जरी अब मिनटों में संभव
- बिना सुई, बिना टाँके, अत्यंत छोटे चीरे से संभव
- पुतली की समस्या का संपूर्ण इलाज
- ट्रांसप्लांट सर्जरी
- काला बिंदू काला मोतिया का इलाज
- पर्दे का इलाज

Dr. Nikita Jaiswal

CORNEA, PHACO SURGEON

(M.B.B.S., M.S.)

Phaco and Lasik Surgeon

अब नई OCT मशीन से सुसज्जित

Premium Cataract Center With Genuine Care And Advice/ All Premium Lens Available

SPECIAL NOTE: "HONORING OUR NATIONAL HEROES WITH 50% DISCOUNT ON ALL SERVICES-CRPF, ARMY & POLICE

सांई काम्प्लेक्स, विहान फॉर्मेसी के ऊपर, तिफरा, बिलासपुर (छ.ग.)

BRANCH

Shreenath Netralaya

Now Also Accessible At Beside Sbi Bank Old High Court Road

Monday to Saturday 10AM To 7 PM

7999210255, 8224859924

खबर संक्षेप

93.6 प्रतिशत अंक के साथ कोटा क्षेत्र का गौरव बने ओम

करगीरोड-कोटा। नगर के करगीरोड क्षेत्र निवासी ओम कौशिक ने 12वीं की परीक्षा में 93.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। ओम कौशिक क्षेत्र के प्रतिष्ठित शिक्षक व शासकीय उमा विद्यालय बेलगहना के प्राचार्य नागेंद्र कौशिक के पुत्र हैं। ओम की इस शानदार उपलब्धि से न केवल उनके परिवार में खुशी का माहौल है, बल्कि संपूर्ण करगी रोड कोटा क्षेत्र में हर्ष व्याप्त है। ओम ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के मार्गदर्शन और शिक्षकों के सहयोग को दिया है।

संगीतमय रामायण में भगवान श्रीराम के गुणों का गायन

तखतपुर। संगीतमय रामायण का आयोजन भिलाई में किया गया, जहां आसपास की मानस टोलियां शामिल हुई और भगवान श्रीराम के गुणों का गायन किया। श्रीराम कथा पर प्रवचन करते हुए पिल्लूराम साहू ने कहा कि, भगवान श्रीराम मर्यादा पुरूषोत्तम हैं, उनके जीवन से समाज के हर वर्ग सीख लेता है। एक पिता, पुत्र, भाई, पति एवं राजा का क्या कर्तव्य है, यह भगवान श्रीराम के जीवन से हम जान सकते हैं। इस अवसर पर बेदीराम, दशरथ राम, देवा पटेल, पिल्लूराम, संतोष, अनुराग, संतोष, श्रीकांत, अश्वनी, राजेंद्र, कार्तिक, चंद्रकुमार, भरोसी, गीतेश, शंकर, मुन्ना सहित अन्य उपस्थित रहे।

निधन

यशोदा अग्रहरि

बिलासपुर। जनकपुर रोड तखतपुर निवासी यशोदा अग्रहरि पति स्वर्गीय लल्ला अग्रहरि का निधन 1 मई को हो गया। वे अपने पीछे दो पुत्र शंकर एवं विष्णु अग्रहरि एवं दो पुत्रियां पुष्पा एवं सुषमा अग्रहरि छोड़ गई हैं।

अरुण जायसवाल

बिलासपुर। पुराना हाईकोर्ट रोड एसबीआई के सामने रहने वाले अरुण जायसवाल का 2 मई को निधन हो गया। वे 82 वर्ष के थे। उनकी अंतिम यात्रा 3 मई सुबह 9.30 को निवास स्थान से मदुबन दयालबंद बिलासपुर के लिए प्रस्थान करेगी। वे मनीष जायसवाल, आशीष जायसवाल व रितेश जायसवाल के पिता एवं हर्ष वर्धन (हैप्पी) शौर्य वर्धन जायसवाल के दादा थे।

विकास कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए: डिप्टी सीएम

स्कूटी से विकास कार्यों का निरीक्षण करने निकले साव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लोरमी

क्षेत्रीय विधायक एवं उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने शनिवार सुबह स्कूटी से नगर का भ्रमण कर विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान श्री साव ने रानीगांव में गार्डन निर्माण, तालाब सौंदर्यीकरण और मुक्तिधाम निर्माण कार्यों का अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ जायजा लिया। साथ ही नगर में भव्य प्रवेश द्वार और नाली निर्माण की प्रगति की जानकारी ली। वहीं मनियारी नदी पर बन रहे पुल के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। बस स्टैंड स्थित जिम में युवाओं से संवाद कर उनकी आवश्यकताओं को भी जाना। जिम में सारी व्यवस्था करने अधिकारी को निर्देशित किया।

■ लाइब्रेरी का किया शुभारंभ, बच्चों के साथ बिताए पल

उपमुख्यमंत्री साव ने ब्राह्मणपारा में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही से भेंट कर चर्चा की और महामाया पारा में मुक्तिधाम निर्माण कार्य को गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। नगर पालिका में मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत संचालित मेडिकल यूनिट का अवलोकन कर स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली तथा स्वयं स्वास्थ्य जांच कराकर योजना की उपयोगिता को समझा। यह योजना स्लम क्षेत्रों में रहने वाले जरूरतमंद लोगों को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। अरुण साव ने नगर के कॉलेज के पास नालंदा परिसर निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि, यह परिसर क्षेत्र में शिक्षा और ज्ञान का नया केंद्र बनेगा। विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और शैक्षणिक विकास को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने निर्माण कार्य को निर्धारित डेढ़ वर्ष की समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए। श्री साव ने निरीक्षण के दौरान नगर की गलियों में बच्चों और महिलाओं से आत्मीय मुलाकात की। ब्राह्मणपारा में जादूगर का खेल देखकर उन्होंने बच्चों के साथ बैठकर जादू का आनंद लिया। यह पल उनके लिए बचपन की यादों को ताजा करने वाला और सुकून देने वाला रहा। श्री साव ने विधायक कार्यालय में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर विकास कार्यों पर चर्चा की। साथियों से सुझाव लिए और जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। सभी को जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए सदैव तैयार रहने का संकल्प दिलाया गया। उन्होंने राम्हेपुर स्थित शिव मंदिर बाबाघाट में चल रहे विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया। स्थानीय लोगों ने सौंदर्यीकरण की सराहना की और इसे भविष्य में पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होने की संभावना जताई, जिससे रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। श्री साव ने कहा कि, विकास कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यों की गुणवत्ता और गति दोनों पर विशेष ध्यान दें तथा जहां भी कमी मिले, उसे तत्काल सुधारें।

नगर में निकली भगवान परशुराम जन्मोत्सव शोभायात्रा

तखतपुर। छग ब्राम्हण विकास परिषद तखतपुर की ओर से भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के अवसर पर शोभायात्रा का आयोजन किया गया। शोभायात्रा कैलाश नगर तखतपुर स्थित शिव मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्ग में भ्रमण करते हुए गुरु तेग बहादुर वाटिका पहुंची, जहां पर मंचीय कार्यक्रम हुआ।

शोभायात्रा का स्वागत क्षत्रिय समाज, व्यापारी महासंघ, अंकित अग्रवाल एवं परिवार, देवांगन समाज, श्रीवास समाज व नगर पालिका अध्यक्ष पूजा मक्कड़ के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर जीवन लाल पाण्डेय, कृष्ण कुमार शर्मा, अरविंद शर्मा, जितेन्द्र पाण्डेय, रामशरण पाण्डेय, प्रमोद शर्मा, किशन पाण्डेय, हरनारायण मिश्रा, चन्द्रहास पाण्डेय, रूपेश तिवारी, रविशंकर पाण्डेय, दिनेश शर्मा, अभ्युदय तिवारी, व्यासनारायण पाण्डेय, राजअभिषेक पाण्डेय, लल्लन शुक्ला, शत्रुहन पाण्डेय, कमलकांत पाण्डेय, अशोक पाठक, सुमंत पाण्डेय, केशव शर्मा, रितेश तिवारी, मयंक पाण्डेय, निलेश पाण्डेय, मनोज अक्षय पाण्डेय, नवीन तिवारी, राघवेन्द्र पाण्डेय, अनिल पाण्डेय, अनिल तिवारी, महेन्द्र पाण्डेय, रविशंकर पाण्डेय, विनोद पाण्डेय, रमेश पाण्डेय, सुरेन्द्र पाण्डेय, विकास शर्मा, नंदकुमार पाण्डेय, सुनील मिश्र. राकेश मिश्रा, लक्ष्मीनारायण पाण्डेय, जलेश्वर शर्मा, कन्हैया लाल तिवारी, समीर तिवारी, श्रीकांत मिश्रा आदि मौजूद रहे।

यादव समाज के महाअधिवेशन में शामिल हुए डिप्टी सीएम

लोरमी। उपमुख्यमंत्री अरुण साव नवाडीह में आयोजित छत्तीसगढ़ ठेठवार यादव समाज के महाअधिवेशन में शामिल हुए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि, समाज की प्रगति के लिए एकजुटता और सही दिशा में प्रयास बेहद जरूरी है। महासभा समाज की भावी नीतियों को तय करने और उसे नई दिशा देने का महत्वपूर्ण मंच है। श्री साव ने समाज में बढ़ती उपजातीय विभाजन की प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए कहा कि, सनातन परंपरा में भेदभाव का कोई स्थान नहीं है। समाज को एक सूत्र में पिरोकर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि समाज को अच्छे नेता, डॉक्टर, इंजीनियर और जनसेवक तैयार करने पर ध्यान देना चाहिए, ताकि समाज का समग्र विकास हो सके। उन्होंने कहा कि, समाज में संस्कारों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। आने वाली पीढ़ियों में पारिवारिक और सांस्कृतिक मूल्यों का विकास करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

गोलू की दुकान में चाय पीकर नगर विकास पर चर्चा

लोरमी। उप मुख्यमंत्री अरुण साव शनिवार को सुबह 9 देवांगन होटल गोलू चाय सेंटर में चाय पी एवं नगरवासियों के साथ नगर विकास की चर्चा की। श्री साव के इस सहज, सरल एवं एक अलग अंदाज देखकर लोगों ने उनकी तारीफ की श्री साव हमेशा लोगों से परिवार की तरह व्यवहार करते हैं, वे लोगों को परिवार का सदस्य मानते हैं। वे जब भी जनता के बीच जाते हैं तो वे स्वयं को उपमुख्यमंत्री नहीं, बल्कि लोगों को अपना परिवार मानते हैं। श्री साव के इस तरह के व्यवहार की नगर में सर्वत्र चर्चा है।

घगवान परशुराम प्राकट्य महोत्सव आज

लोरमी। आर्यावर्त ब्राम्हण महासभा ब्लॉक ईकाई ग्राम डिंडौरी के तत्वाधान में 3 मई को शाम 4 बजे भगवान परशुराम का प्राकट्य महोत्सव शोभायात्रा का आयोजन किया जा रहा है।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुरेन्द्र शर्मा पूर्व चेयरमेन कृषक कल्याण बोर्ड रहेंगे व अध्यक्षता अर्जुन तिवारी महामंत्री प्रदेश कांग्रेस कमेटी करेंगे। साथ ही अतिविशिष्ट अतिथि रेखेन्द्र तिवारी, पं राकेश तिवारी, रोहित शुक्ला, पवन पाण्डेय व विशिष्ट अतिथि के रूप में पुष्पा शर्मा, नितेश कृष्ण द्विवेदी, ब्रम्हदत्त त्रिपाठी, अवधेश शुक्ला, सविता पाठक, मनीष त्रिपाठी संजय त्रिपाठी, मुकुल तिवारी, श्रेय त्रिपाठी, योगेश पाठक, जितेन्द्र कुमार पाठक मौजूद रहेंगे।

भगवान श्रीराम भारत के प्राण हैं: त्रिलोक

बिलासपुर। भगवान श्री राम आस्था के विषय तो हैं, परंतु भारत की संस्कृति में भी श्रीराम व्याप्त हैं। भगवान श्रीराम भारत के प्राण हैं। भारतीयों का और विशेष कर छत्तीसगढ़ियों का काम श्रीराम का नाम लिए बिना हो ही नहीं सकता। यह बातें कांग्रेस नेता त्रिलोकचन्द्र श्रीवास ने बेलतरा विस क्षेत्र के रानीगांव में आयोजित अखंड नवधा रामायण में कही। इस अवसर पर आयोजन समिति के पदाधिकारी रामअवतार गहवाई, दीपचंद गहवाई, राधेश्याम तंबोली, राघवेंद्र गहवाई, भागवत कोरी, सरपंच दिव्या कोरी, श्रवण तंबोली, रेवाराम इंद्रमणि देवांगन, उमाशंकर देवांगन, अमित गहवाई, जयप्रकाश गहवाई, डॉ गहवाई, महावीर श्रीवास सहित सैकड़ों मानसप्रेमी श्रोता उपस्थित थे। इस अवसर पर आयोजन समिति एवं ग्राम पंचायत के पदाधिकारियों ने रानीगांव आगमन पर त्रिलोक श्रीवास का स्वागत आतिशबाजी व पुष्पहार के साथ किया। नवधा रामायण आयोजन समिति ने भी शाल, श्रीफल व स्मृति चिन्ह देकर उनका अभिनंदन किया।

उत्कृष्ट अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों का स्वागत

सीपत। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय पंधी में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का विद्यालय परिसर में उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने प्राचार्य संजय शर्मा एवं समस्त शिक्षकों से आशीर्वाद प्राप्त किया।

शिक्षकों ने विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर उनकी सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की। विद्यालय में कक्षा 12वीं की अम्बाप्रसाद साहू ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, वहीं मानसी केवट ने 87.6 प्रतिशत, रूपेश यादव 85.6 प्रतिशत, भूमिका साहू 84.8 प्रतिशत, सोनम वस्त्रकार 83.2 प्रतिशत, मानसी सूर्यवंशी 83.8 प्रतिशत तथा मनीषा पटेल ने 76 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। कक्षा 10वीं में जयंत राजे ने 88.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। इसके अलावा नर्गिस बेगम एवं निखिल पत्रवाणी ने 88.6 प्रतिशत तथा सुजीता डोंगरे ने 87.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस दौरान प्राचार्य संजय शर्मा ने कहा कि, यह सफलता बच्चों की मेहनत, अनुशासन और निरंतर प्रयास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि, जीवन में स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर नियमित अध्ययन करने से हर विद्यार्थी सफलता प्राप्त कर सकता है। उन्होंने बच्चों को आगे भी पढ़ाई में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

त्रिवेणी गैस एजेंसी शुरू, उपभोक्ताओं को राहत

बिल्हा। गैस उपभोक्ताओं को शुरू से त्रिवेणी गैस एजेंसी के द्वारा गैस का वितरण किया जाता रहा है, किंतु स्वास्थ्यगत कारणों से विगत दो वर्षों से त्रिवेणी गैस एजेंसी होल्ड कर दी गई थी एवं शासन के द्वारा वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में सभी उपभोक्ताओं का कार्ड नजदीकी गैस एजेंसी के यहां स्थानांतरित करा दिया गया था। नगर में गैस की आपूर्ति ग्रामीण अंचल से संचालित की जा रही थी, जिस वजह से यहां के उपभोक्ताओं को 45 दिन बाद रिफिल बुकिंग की सुविधा मिल रही थी। नियमानुसार ग्रामीण क्षेत्र में 45 दिन का वेटिंग पीरियड एवं शहरी क्षेत्र में 25 दिन का वेटिंग पीरियड रिफिल बुकिंग के लिए निर्धारित किया गया है। 1 मई से त्रिवेणी गैस एजेंसी फिर से सभी शासकीय नियमों का पालन करते हुए चालू की जा चुकी है, जिसके कार्यालय का उद्घाटन स्टेट बैंक के सामने केसला रोड बिल्हा में किया गया। बिल्हा के समस्त उपभोक्ताओं का कार्ड भी त्रिवेणी इंडियन गैस में स्थानांतरित हो चुका है, जिससे शहरी क्षेत्र होने के कारण उपभोक्ताओं को 25 दिन का लाभ होने के कारण मिलना शुरू हो गया है।

श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रदेश सहासचिव बने दर्वे

मोपका। छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रदेश कार्यकारिणी का चुनाव राजधानी रायपुर में संपन्न हुआ, जिसमें बिलासपुर से तीन प्रदेश पदाधिकारी चुने गए। इनमें वरिष्ठ पत्रकार साखन दर्वे को प्रदेश सहसचिव बनाया गया। इसी तरह वरिष्ठ पत्रकार विश्व दीपक राई को फिर प्रदेश महासचिव व रवि शुक्ला को सचिव चुना गया।

न्यायालय श्रीमान् व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी के प्रथम अतिरिक्त न्यायाधीश मुंगेली जिला - मुंगेली (छ.ग.)

व्य.वाद क्रमांक अ-26/2026
प्रोसेस क्र . 227/26
सुनवाई तिथि - 13.05.2026

सुकबाई वगैरह ......वादिनीगण
विरूद्ध
छ.ग.शासन + 1 अन्य ....प्रतिवादीगण

उपरोक्त प्रकरण में इस न्यायालय के समक्ष वादीगण द्वारा पूरन वल्थ स्व. भुवन निवासी ग्राम छाता थाना लालपुर तहसील व जिला मुंगेली छ.ग. की सिविल डेथ की उपधारणा एवं उसके एवं वादीगण के संयुक्त स्वत्याधिकार की भूमि जो ग्राम रानीउमरिया एवं ग्राम कंतेली में स्थित है के संबंध में प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूमि एवं उसको मृत्यु के संबंध में इस ईश्तहार के जरिये आम जनता को सूचित किया जाता है कि आम जनता की ओर से उक्त संबंध में कोई संस्था या व्यक्ति को दावा आपत्ति या हक रखते हैं तो आप इस न्यायालय में दिनांक 13.05.2026 को 11:00 बजे उपस्थित होकर अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से जिसे प्रकरण के संबंध में सम्यक जानकारी सहित उपस्थित होकर अपना आपत्ति/जवाब पेश करें। यदि आप उपस्थित नहीं होते हैं तो आपकी अनुपस्थिति में सुनवाई किया जाकर एकपक्षीय कार्यवाही किया जावेगा।

यदि उक्त तिथि को अवकाश घोषित हो जाता है या पीठासीन अधिकारी अवकाश पर हो तो सुनबाई आगे कार्यदिवस को किया जावेगा।

आज दिनांक 17/04/26 को मेरे हस्ताक्षर मुद्रा सहित जारी किया गया।

(क. नारायणी कच्छप)
व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी के
प्रथम अतिरिक्त न्यायाधीश मुंगेली
जिला मुंगेली (छ.ग.)

शार्ट सर्किट से घर में लगी आग, पूरा समान जलकर खाक

मरवाही। मरवाही के वार्ड क्र 10 निवासी मुकेश रैदास पिता संतोष, जो रोजी मजदूरी का काम करते हैं, उनके घर में शनिवार दोपहर शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। आग लगने से घर के अंदर रखे बिस्तर, टीवी, कूलर, बर्तन सहित सामान से भरी आलमारी जलकर खाक हो गई। मुकेश ने बताया कि परिवार में चार लोग हैं, और घटना के समय सब काम पर गए हुए थे। छोटी बेटी भर घर में थी, जो लाइट गोल होने के कारण दोपहर में बगल में चाची के घर में चली गई थी। बच्ची कुछ देर बाद घर आई तो आग लगी देखकर आसपास के लोगों को आवाज दी, तब तक आग भड़क चुकी थी, जिसे लोगों की मदद से बुझाया गया, लेकिन बुझने तक आग इतनी फैल चुकी थी कि, सब कुछ नष्ट हो चुका था। मुकेश ने बताया कि, उनका सब कुछ जलकर खाक हो गया, यहां तक कि, आज रात सोने एवं खाने की व्यवस्था नहीं है। उन्होंने प्रसाशन से गुहार लगाई है कि, किसी न किसी रूप से उनकी मदद करे। पुलिस प्रशासन ने मौके मुआयना कर पड़ताल शुरू कर दी है।

नगर पंचायत मदद करेगा

आगजनी में मुकेश दास का सब कुछ जलकर खाक हो गया है, इनकी मां के नाम से आवास बनाने के लिये नगर पंचायत ने प्रस्ताव किया हुआ है एवं तात्कालिक व्यवस्था के लिए भी इनकी मदद नगर पंचायत के माध्यम से की जाएगी।

-मधुबाबा गुप्ता, अध्यक्ष नपं

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर संपन्न

लोरमी। गोंड़खाम्ही विद्यालय तत्वाधान में पंद्रह दिवसीय खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। पंद्रह दिवसों में खिलाड़ियों को बॉक्सिंग, शतरंज व टेबल टेनिस खेल की जानकारी व प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण राष्ट्रीय प्रशिक्षक सुखोध कुमार सिंह द्वारा प्रदान किया गया। प्रशिक्षण शिविर में 26 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण शिविर में बेस्ट प्लेयर बॉक्सिंग प्रियांशु चेलकर. बेस्ट प्लेयर शतरंज योगेश बंजारा, बेस्ट प्लेयर टेबल टेनिस संजय को दिया गया।

चप्पल खरीदने घर से निकली नाबालिग लापता, मामला दर्ज

तखतपुर। घर से चप्पल खरीदने निकली नाबालिग के घर नहीं पहुंचने पर परिजनों ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में ले लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोछ निवासी महेश कश्यप ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि, उसकी नाबालिग पुत्री 30 अप्रैल को दोपहर 12 बजे घर से चप्पल खरीदने के बहाने निकली और शाम तक वापस घर नहीं पहुंची। इससे परेशान परिजन आसपास उसकी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। शिकायत पर पुलिस ने धारा 137,2 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में लिया है।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती किर्ती भारत पति श्री पी.के. भारत, निवासी- महामाया विहार, वेयर हाउस रोड बिलासपुर के हक व स्वामित्व की परिवर्तित भूमि ग्राम बिरकोना, म.नं.-01, प.ह.नं. 47, खसरा नंबर 797/22 रकबा 0.0140 हेक्टेयर स्तार नंबर-08, भूखण्ड क्र. 4/2, क्षेत्रफल 1535.25 वर्गफुट भूमि जिसे क्रेता अमिताभ तिवारी पिता संजय तिवारी निवासी मकान नं. सी-05, सोनगंगा कालोनी बिलासपुर (छ.ग.) द्वारा क्रय करने का पक्का सौदा किया गया है। उपरोक्त भूमि की रजिस्ट्री शीघ्र होना है, उक्त संव्यवहार से किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक, निकाय को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के भीतर अपना लिखित दस्तावेज सहित आपत्ति दर्ज करा सकते है, बाद की आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सो सूचना जाने।

दिनांक- 02/05/2026
स्थान- बिलासपुर (छ.ग.)

भवदीय
प्रेम कुमार साहू
अधिवक्ता नया सरकंडा
श्रीविहार बिलासपुर (छ.ग.)
मो.नं.- 9977950779

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम अतरिया तहसील लोरमी व थाना लोरमी, जिला मुंगेली (छ.ग.) की भूमि वन अधिकार पत्र क्रमांक 0572478 ऋण पुस्तिका नम्बर P-069229 कक्ष क्रमांक 286 आर.एफ. रकबा 1.173 हेक्ट. जो कि आवेदक श्री जगदीश उरांव पिता स्व. बुल्ला उरांव जाति उरांव ग्राम अतरिया, तहसील लोरमी, थाना लोरमी, जिला मुंगेली (छ.ग.) के नाम से है, जिसका नामांतरण इनके विधिक वारिसान पुत्र श्री जगदीश उरांव, श्री नेतराम उरांव, जुगेश्वर, श्री सुखदेव पिता स्व. बुल्ला उरांव एवं वारिसान पुत्री गुनी बाई पिता स्व. बुल्ला उरांव ग्राम अतरिया थाना व तहसील लोरमी जिला मुंगेली (छ.ग.) के नाम पर छत्तीसगढ़ राजपत्र (असाधारण) क्रमांक 299 रायपुर, मंगलवार दिनांक 16 जुलाई 2024 में प्रकाशित आदिमजाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग की अधिसूचना दिनांक 15 जुलाई 2024 क्रमांक एफ 10-11/2007/25-2 के परिशिष्ट-एक में प्राप्त प्रदत शक्तियों के तहत नामांतरण कार्य किया जाना है।

अत: उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को दावा आपत्ति हो, तो वह स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से 15 दिवस के भीतर मेरे समक्ष उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 03/03/2026 को मेरे कार्यालयीन सील मोहर एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया है।

वनपरिक्षेत्र अधिकारी
लमनी, अचानकमार टाईगर रिजर्व

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम अतरिया तहसील लोरमी व थाना लोरमी, जिला मुंगेली (छ.ग.) की भूमि वन अधिकार पत्र क्रमांक 0163163 ऋण पुस्तिका नम्बर P-069214 कक्ष क्रमांक 285 आर.एफ. रकबा 0.640 हेक्ट. जो कि आवेदिका श्रीमती जेठिया बाई बैगा पति बीरसिंह बैगा जाति बैगा ग्राम अतरिया, तहसील लोरमी, थाना लोरमी, जिला मुंगेली (छ.ग.) के नाम से है, जिसका नामांतरण इनके विधिक वारिसान पत्नि श्रीमती जेठिया बाई बैगा पति बीरसिंह बैगा वारिसान पुत्र श्री मुकेश पिता बीरसिंह बैगा वारिसान पुत्री शकुन पिता बीरसिंह बैगा ग्राम अतरिया थाना व तहसील लोरमी जिला मुंगेली (छ.ग.) के नाम पर छत्तीसगढ़ राजपत्र (असाधारण) क्रमांक 299 रायपुर, मंगलवार दिनांक 16 जुलाई 2024 में प्रकाशित आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग की अधिसूचना दिनांक 15 जुलाई 2024 क्रमांक एफ 10-11/2007/25-2 के परिशिष्ट-एक में प्राप्त प्रदत शक्तियों के तहत नामांतरण कार्य किया जाना है।

अत: उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को दावा आपत्ति हो, तो वह स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से 15 दिवस के भीतर मेरे समक्ष उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 03/03/2026 को मेरे कार्यालयीन सील मोहर एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया है।

वनपरिक्षेत्र अधिकारी
लमनी, अचानकमार टाईगर रिजर्व

न्यायालय:- श्रीमान् व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी के द्वितीय अतिरिक्त न्यायाधीश मुंगेली जिला मुंगेली (छ.ग.)

रविन्द्र कुमार मिश्र उर्फ शैलेन्द्र....वादी
बनाम
छ.ग. शासन + 01......प्रतिवादीगण

व्य.प्र.क्र. 62-ए/2026
पेशी तारीख 15.05.2026
प्रोसेस क्र.- 03/26

प्रति, आम जनता जो संबंधित हो।

ईश्तहार

वादी रविन्द्र कुमार मिश्र के बचपन का नाम शैलेन्द्र है और दोनों नाम एक ही व्यक्ति का है, जिसकी घोषणा के लिये वाद माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है. जिसकी पेशी दिनाक 15.05.2026 को नियत है, जिस हेतु किसी भी व्यक्ति/ संस्था को दावा आपत्ति हो तो उपरोक्त नियत पेशी दिनांक को उपस्थित होकर अपना दावा आपत्ति पेश कर प्रकरण की कार्यवाही में भाग लें, अन्यथा प्रकरण में एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी। उक्त पेशी दिनांक को अवकाश होने पर आगामी कार्य दिवस को उक्त प्रकरण की कार्यवाही की जावेगी।

यह आज दिनांक 29.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर जारी किया गया है।

(कु. श्रेया तुलावी)
व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी के
द्वितीय अतिरिक्त न्यायाधीश मुंगेली
जिला-मुंगेली (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार बिलासपुर

मामले की श्रेणी : राजस्व
संदर्भ : जिला बिलासपुर तहसील-बिलासपुर प.ह.न.-00025 खमतराई ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण
क्रमांक- CT202526400106300126

ईश्तहार

तहसील बिलासपुर के प.ह.न. 00025 के अंतर्गत ग्राम **खमतराई** के वर्तमान भूमिस्वामी गुलाबचंद पिता/पति-पिता स्व. सूरजप्रसाद मौर्य पता-सा. देह के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 976/43 (0.0160) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता **भागीरथी, बलराम मौर्य पिता/पति-स्व गुलाबचंद पता-बाकी मोंगरा कोरबा कुमारी देवी पिता/पति-गुलाबचंद पता-रविदास नगर उत्तर प्रदेश** के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 04/05/2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय **न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार बिलासपुर** पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते हैं। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 10/04/2026 को जारी किया जाता है।

अतिरिक्त तहसीलदार: AKASH GUPTA
बिलासपुर

न्यायालय अतिरिक्त कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी, बिलासपुर (छ.ग.)

विवाह सूचना का प्रकाशन

क्रमांक क/ /वाचक/अति-कले/2026, बिलासपुर, दिनांक 24.04.2026

आवेदक श्री नवीन कुमार साहू आत्मज श्री भरत लाल उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम केंवटाडीह (टांगर) थाना पचपेड़ी तहसील मस्तुरी जिला बिलासपुर (छ.ग.) एवं आवेदिका कुमारी निधि साहू आत्मजा श्री राम कुमार साहू उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम मदनपुर वा.क्र.02 थाना रतनपुर तहसील व जिला बिलासपुर (छ.ग.)

द्वारा विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा-5 के तहत सूचना पत्र प्रस्तुत किया गया है। अत: प्राप्त सूचना का प्रकाशन सर्व साधारण के लिए दैनिक समाचार पत्र में किया जाता है। इस विवाह के संबंध में यदि कोई आपत्ति या दावा हो तो अपनी आपत्ति/दावा इस कार्यालय में दिनांक 04.06.2026 को प्रात: 11:00 बजे प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि पश्चात प्राप्त आपत्ति / दावा पर कोई विचार करना संभव नहीं होगा।

नवीन कुमार साहू

निधी साहू

विवाह अधिकारी
बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

न्यायालय- श्रीमान प्रतीक टेंभुरकर, प्रथम व्य.न्या. वरिष्ठ श्रेणी के चतुर्थ अति.न्या. रायगढ़ (छ0ग0)

// ईश्तहार //

सिविल सूट ए./41/2021
पेशी तारीख - 14.05.2025
प्रोसेस क्रमांक 213/2026

रजमत बाई वगै0 ....वादी
विरुद्ध
संगीता अग्रवाल वगै0 ....प्रतिवादी

बनाम:-संगीता अग्रवाल पति शैलेष अग्रवाल, निवासी बिनोबा नगर बिलासपुर तह0 व जिला बिलासपुर (छ0ग0)

वादी ने दावा वास्ते स्वत्व की घोषणा एवं स्थाई निषेधाज्ञा एवं दावा का मूल्यांकन न्याय शुल्क एवं न्यायालय के क्षेत्राधिकार हेतु व्यवहार वाद क्रं0 ए/41/2021 में रजमत बाई वगै0 बनाम संगीता अग्रवाल में संगीता अग्रवाल पति शैलेष अग्रवाल, निवासी बिनोबा नगर बिलासपुर तह0 व जिला बिलासपुर (छ0ग0)। को पेपर प्रकाशन के माध्यम से सूचना एवं उपस्थिति हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि प्रतिवादी संगीता अग्रवाल पति शैलेष अग्रवाल, निवासी बिनोबा नगर बिलासपुर तह0 व जिला बिलासपुर (छ0ग0)। न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रही है अत: पेपर प्रकाशन के माध्यम से सूचना दिये जाने हेतु निवेदन किया है।

अत: इस नोटिस के जरिये **संगीता अग्रवाल पति शैलेष अग्रवाल, निवासी बिनोबा नगर बिलासपुर तह0 व जिला बिलासपुर (छ0ग0)**। (जिसका इससे संबंध हो या जानकारी हो जो अपना पक्ष रखना चाहते हो) को सूचित किया जाता है कि आप स्वयं या अपने अधिवक्ता के मार्फत से (जिसे प्रकरण के संबंध में सम्यक जानकारी प्राप्त हो) सुनवाई दिनांक पेशी तारीख -14.05.2026 को प्रात: 11-00 बजे इस न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर जवाब सह दस्तावेज प्रस्तुत करें अग्रिम कार्यवाही किया जावेगा।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई एवं निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यदि उक्त तिथि को पीठासीन अधिकारी के या पेशी दिनांक को अवकाश में होने या अवकाश होने की स्थिति में प्रकरण की सुनवाई अगले कार्य दिवस में की जावेगी।

इस न्यायालय की मुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर द्वारा आज दिनांक 10.04.2026 को जारी किया गया।
सील

(प्रतीक टेंभुरकर)
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी के चतुर्थ
अति0न्या0 रायगढ़ (छ0ग0)

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल जूना बिलासपुर,तहसील व जिला बिलासपुर छ.ग.

सूचना

क/क/रा.नि./2026
जूना बिलासपुर दिनांक 21/04/2026

प्रति, 1. नितिश कुमार गोले 2. केशव राव 3. नीलम गुलहरे 4. बाल गोपाल 5. एस.पी. ठाकुर (अन्य सर्वसंबंधित हितबद्ध पक्षकार) (समीपी भूमिस्वामियों को जानकारी ज्ञापन में दर्ज/आवेदक के बताए अनुसार)

विषय: सीमांकन में उपस्थित होने बाबत।
संदर्भ:- न्यायालय तहसीलदार का ज्ञापन क/क /तह/वाचक/2026 बिलासपुर दिनांक 30/03 /26

आवदेक नितिश कुमार गोले निवासी दयालबंद के ग्राम जूना बिलासपुर प.ह.न. 36 रा.नि.म. जूना बिलासपुर तहसील व जिला बिलासपुर में स्थित भूमि खसरा नंबर-156/30 रकबा 0.0330 के सीमांकन हेतु न्यायालय तहसीलदार बिलासपुर के समक्ष आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। संदर्भित न्यायालयीन ज्ञापन के परिपालन में आवेदित भूमि का सीमांकन दिनांक 12/05/26 को समय 10-5 बजे किया जायेगा।

अत: आप भूमि से संबंधित दस्तावेज के साथ निर्धारित तिथि एवं समय को मौके पर अनिवार्यत: उपस्थित होवें। अनुपस्थिति के लिए आप स्वयं जिम्मेदार होंगे और बाद की आपत्ति पर स्वीकार्य नहीं होगी।

टीप:- 1. आवेदक सीमाचिन्ह स्थापित करने हेतु आवश्यक सामग्री और मजदूर की व्यवस्था करें। 2. विशेष परिस्थिति में अपरिहार्य कारणों से सीमांकन तिथि में परिवर्तन किया जा सकता है।

राजस्व निरीक्षक
जूना बिलासपुर (छ.ग.)

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
छत्तीसगढ़ का प्रथम 20 बिस्तरीय हॉस्पिटल जो की पूर्ण रूप से आयुर्वेदिक उपचार को समर्पित
सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003
सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
समस्त रोगों का आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा इलाज
• हड्डी एवं जोड़ों का दर्द • नसों का रोग
• त्वचा एवं बालों का रोग • स्त्री रोग • मानसिक रोग
• मूत्र संबंधी रोग • मधुमेह (डायबिटीज़) • नेत्र रोग
• किडनी संबंधी रोग • पेट संबंधी विकार • थायराइड
• अस्थमा • मोटापा • मांसपेशी का रोग
• मल द्वार रोग विशेषज्ञ
प्रदेश के समस्त शासकीय अधिकारी/कर्मचारी एवं उनके परिवार के आश्रित सदस्यों के उपचार उपरांत प्रतिपूर्ति (MEDICAL REIMBURSEMENTS) हेतु छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त

जन-जन के प्रिय, मस्तूरी विधानसभा क्षेत्र के सम्माननीय विधायक छत्तीसगढ़ विधानसभा में
कांग्रेस पार्टी के उपसचेतक एवं छत्तीसगढ़ी लोकगीतों के लोकप्रिय स्वर
मा. दिलीप लहरिया जी
को जन्मदिन की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...
राजेन्द्र धीवर
अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सीपत
विनीत :– समस्त कांग्रेसजन मस्तूरी क्षेत्र
भोलाराम साहू
अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मस्तूरी

खबर संक्षेप

नशे में ट्रेन से टकराकर ग्रामीण की मौत

बिलासपुर। नशे में ट्रेन से टकराकर एक ग्रामीण की मौत हो गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कोनी पुलिस के अनुसार, 1 मई को लोखड़ी निवासी प्रेमलाल पटेल उर्फ पारस 48 साल के नए घर की छत की ढलाई हुई। उसकी खुशी में उसने घर में बैठकर शराब पी। घरवालों ने उसे शराब पीने से मना किया तो रात 8 बजे घर से निकल गया। देर रात लोखंड़ी करही रेलवे लाइन में वह नशे में ट्रेन से टकरा गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है।

शादी तोड़वाने वाले युवक के खिलाफ जुर्म दर्ज

बिलासपुर। नाबालिग से अनाचार कर शादी तोड़वाने वाले युवक के खिलाफ पुलिस ने जुर्म दर्ज कर लिया है। महिला थाना के प्रधान आरक्षक संगीता नेताम ने बताया, सीपत क्षेत्र की एक नाबालिग की दर्राभाठा निवासी मनोज पटेल से प्रेम संबंध था। युवक शादी करने का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा। लड़की बालिग हुई तो दोनों के बीच किसी बात को लेकर बातचीत बंद हो गई। युवती की घरवालों ने उसकी शादी समाज के युवक से तय कर दिया। जानकारी होने पर प्रेमी मनोज पटेल ने युवती के होने वाले पति को दोनों की अश्लील फोटो भेजकर शादी तोड़वा दी। पीड़िता की रिपोर्ट पर युवक के खिलाफ बीएनएस की धारा 64, 2 व 4, 6 पाक्सो एक्ट के तहत जुर्म दर्ज कर लिया है।

जनगणना में गए शिक्षक के साथ मारपीट

बिलासपुर। जनगणना में गए एक शिक्षक के साथ ग्रामीण ने मारपीट कर शासकीय कार्य में बांधा डाला है। पुलिस ने हमलावर के खिलाफ जुर्म दर्ज कर लिया है। बिल्हा टीआई तोप सिंह नवरंग ने बताया कि बलौदा बाजार कसडोल निवासी नेतराम पैकरा बिल्हा उड़नताल शासकीय स्कूल में शिक्षक है। 1 मई को वे जनगणना में ग्राम घोघरा मकान नम्बर 141 रामकरेश चतुर्वेदी के घर गए थे। घर के लोगों से परिवार के सदस्यों के संबंध में जानकारी ले रहे थे। इसी दौरान गांव का निर्मल आया और तुम कौन हो, क्या करने आए हो। उन्होंने ने अपना आईडी दिखाते हुए बताया कि वे शिक्षक हैं और जनगणना करने आए हैं। उसके बाद भी निर्मल कैसे मान लू कहकर उन्हें एक झापड़ मार दिया। शिक्षक श्री पैकरा गांव के ग्राम पंचायत में जाकर सरपंच से शिकायत कर रहे थे। इसी दौरान निर्मल ग्राम पंचायत में आकर उनका कालर पकड़कर झूमाझटकी करने लगा। ग्रामीणों के द्वारा बीच बचाव कर छुड़ाया गया। शिक्षक श्री पैकरा ने घटना की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई। पुलिस ने उनकी रिपोर्ट पर निर्मल के खिलाफ बीएनएस की धारा 296, 132, 221 के तहत जुर्म दर्ज कर लिया है।

महतारी वंदन के लिए ई केवाईसी 30 जून तक

बिलासपुर। महतारी वंदन योजना के सभी पात्र हितग्राहियों की 30 जून तक जिले के चिन्हांकित सीएससी केंद्रों तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की आईडी के माध्यम से ई-केवाईसी का कार्य व्हीएलई / आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा निःशुल्क किया जाएगा। ई-केवाईसी की सुविधा हेतु सभी चॉइस/सीएससी केंद्रों में लैपटॉप एवं बायोमेट्रिक डिवाइस उपलब्ध कराए गए हैं। इसके लिए हितग्राही अपना ई-केवाईसी आधार कार्ड एवं महतारी वंदन योजना पंजीकरण आईडी के साथ नजदीकी सीएससी केंद्र में जाकर करवा सकते हैं। इसके लिए किसी प्रकार के प्रिंटआउट या फोटोकॉपी जमा करने की आवश्यकता नहीं है।

सीजी बोर्ड की परीक्षा

पूरक, अनुत्तीर्ण और उत्तीर्ण छात्र जो श्रेणी सुधार करना चाहते हैं, वे बैठ सकते हैं

41 हजार स्टूडेंट फेल, साल लेकिन नहीं होगा बरबाद, बैठ सकेंगे दूसरी मुख्य परीक्षा में

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

सीजी बोर्ड की परीक्षा में 41 हजार से ज्यादा स्टूडेंट फेल हो गए हैं। अब इन छात्रों के पास पास होने और बेहतर अंक प्राप्त करने का एक और अवसर होगा। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने हाईस्कूल, हायर सेकेंडरी और अवसर परीक्षा 2026 की द्वितीय मुख्य परीक्षा के आवेदन फॉर्म भरने की प्रक्रिया भी घोषित कर दी है। द्वितीय मुख्य परीक्षा के लिए आवेदन पत्र 4 मई 2026 से 30 मई 2026 तक सामान्य शुल्क के साथ ऑनलाइन भरे जाएंगे। ध्यान रहे कि अभी तक सभी विषय में फेल विद्यार्थियों को मुख्य परीक्षा में दोबारा बैठने के लिए एक साल का इंतजार करना होता था। अब लेकिन अधिकारियों के अनुसार दूसरी मुख्य परीक्षा में वे सभी विद्यार्थी आवेदन कर सकेंगे जो प्रथम मुख्य परीक्षा 2026 में पंजीकृत थे। इनमें पूरक, अनुत्तीर्ण विद्यार्थी और उत्तीर्ण छात्र जो श्रेणी सुधार करना चाहते हैं। इसके अलावा मुख्य परीक्षा 2025 में पहली बार पंजीकृत होकर अनुत्तीर्ण या पूरक आए विद्यार्थी भी क्रेडिट योजना के तहत पात्रतानुसार अनुत्तीर्ण विषयों के लिए आवेदन कर सकेंगे। बोर्ड की ओर से कहा गया है कि नियमित परीक्षार्थियों को आवेदन अपने विद्यालय के माध्यम से करना होगा, जबकि स्वाध्यायी और अवसर परीक्षार्थी समन्वय संस्थाओं के जरिए आवेदन कर सकेंगे।

- दूसरी मुख्य परीक्षा के फॉर्म 4 मई से 30 मई तक सामान्य शुल्क के साथ भरे जाएंगे

पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया शुरू

हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी मुख्य परीक्षा 2026 के परिणाम जारी होने के बाद छात्रों के लिए पुनर्गणना, पुनर्मूल्यांकन और उत्तरपुस्तिका की छायाप्रति प्राप्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वहीं दूसरी मुख्य परीक्षा 2026 के लिए आवेदन तिथियों की भी घोषणा कर दी गई है। मंडल की ओर से जारी सूचना के अनुसार परीक्षार्थी रिजल्ट घोषित होने की तारीख से 15 दिनों के भीतर यानी 14 मई 2026 तक पुनर्गणना, पुनर्मूल्यांकन और उत्तरपुस्तिका की छायाप्रति अवलोकन के लिए आवेदन कर सकते हैं।

तीनों या एक प्रक्रिया के लिए आवेदन

छात्र चाहें तो तीनों प्रक्रियाओं के लिए, किसी दो प्रक्रिया के लिए या केवल एक प्रक्रिया के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। अधिकारियों के मुताबिक आवेदन के लिए निर्धारित प्रारूप मंडल की आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। परीक्षार्थी आवेदन पत्र जिला, तहसील और विकासखंड स्तर की अग्रेषण संस्थाओं में निर्धारित शुल्क के साथ जमा कर सकते हैं। इसके अलावा छात्र खुद भी वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। मंडल ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित अंतिम तिथि के बाद कोई आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

हैदराबाद की कंपनी को पीपीपी मोड पर दिया गया है ठेका

नए रिवर व्यू में बन रहा देश का पहला इंडोर गार्डन वाटर फॉल, क्रूज रेस्टोरेंट और एडवेंचर पार्क

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

अरपा के पुराने पुल और इंदिरा सेतु के बीच बनाए गए रिवर व्यू को संवारा जा रहा है। यहां देश का पहला इंडोर गार्डन, वाटर फाल, क्रूज रेस्टोरेंट और एडवेंचर पार्क बनाया जा रहा है। स्मार्ट सिटी ने इसी जगह पर इसके साथ ही वाटर स्पोर्ट्स, मल्टीप्लेक्स और रेस्टोरेंट बनाने के लिए पीपीपी मोड पर ढाई करोड़ का टेंडर दिया है। इसका काम हैदराबाद की कंपनी ईसीएचटी कांग्लोमेरेट प्राइवेट लिमिटेड को मिला है। कंपनी इस जगह को पूरी तरह डेवलप करेगी और उसके बदले निगम को रायल्टी देगी। इसकी एवज में स्मार्ट सिटी को कंपनी की ओर से 11 लाख रुपए सालाना किराया दिया जाएगा। कंपनी ने काम शुरू करते हुए निगम को किराया देना भी शुरू कर दिया है। मैदान को समतल करने और गार्डन बनाने का काम जारी है।

गौरतलब है कि अरपा के दोनों किनारों पर 1800-1800 मीटर फोरलेन रोड के निर्माण के लिए साल 2021 में 100 करोड़ का वर्क आर्डर किया गया था। इसका काम फरवरी 2023 तक पूर्ण हो जाना था, लेकिन इसमें देरी हुई। इसके बाद स्मार्ट सिटी ने फैसला लिया है कि प्रथम चरण में इंदिरा सेतु से पुराने पुल तक नदी के दोनों किनारे 600-600 मीटर रोड निर्माण किया जाएगा। फिलहाल इस रिवर के साथ लगे तट पर 50 लाख रुपए की लागत से बने अटल परिसर निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। इसी के साथ बड़ा गार्डन बनाने का काम जारी है। ठेकेदार को सितंबर 2026 तक काम पूरा करना है।

- कंपनी हर साल 11 लाख रुपए का किराया स्मार्टसिटी को दे रही

ठेका कंपनी मौके पर खर्च करेगी ढाई करोड़

स्मार्ट सिटी के मुताबिक सारा काम और इस पूरे प्रोजेक्ट का संचालन पीपीपी मोड पर होगा। हैदराबाद की कंपनी मौके पर ढाई करोड़ रुपए खर्च कर उद्यान, बेक्वेट, मल्टी प्लेक्स, फूड काउंटर, गेमिंग जोन, रेस्टोरेंट और वाटर स्पोर्ट्स की सुविधाएं उपलब्ध कराएगी। इसकी एवज में स्मार्ट सिटी को वह 11 लाख रुपए सालाना किराया देगी। निगम को यह किराया मिलना भी शुरू हो गया है। स्मार्ट सिटी के अधिकारियों ने इसके अलावा बताया कि इंदिरा सेतु से ढाई ओर सड़क पर डिवाइडर के बीच में 60 स्ट्रीट लाइटें लगाई गई हैं। डब्ल्यूबीएम, बीसी कोट, इंदिरा सेतु के पास ज्वायंट एक्सपांशन स्लैब, रोड सेफ्टी के बोर्ड, फुटपाथ, नदी किनारे प्लांटेशन, स्ट्रीट लाइट का काम पूरा कर लिया गया है। वहीं बाईं ओर की रोड बनाने का काम भी तेजी से जारी है।

ओपन थिएटर के साथ हो सकेगी बोटिंग

स्मार्ट सिटी प्रबंधन ने प्रोजेक्ट को नए लुक के साथ पेश करने के लिए वाटर स्पोर्ट्स, मल्टीप्लेक्स, ओपन थिएटर के निर्माण के लिए पीपीपी मोड पर ठेका दिया है। अधिकारियों के मुताबिक निर्माणाधीन सड़क के किनारे रिक्त बड़े भू-भाग को पिकनिक स्पाट के रूप में विकसित किया जाएगा। दावा है कि अरपा पर पचरीघाट बैराज के निर्माण से नदी में बारह महीने जल भराव होगा, इसलिए नदी की इस जल राशि का उपयोग बोटिंग, वाटर स्पोर्ट्स आदि के लिए किया जा सकेगा।

संवारा जा रहा रिवरव्यू

रिवर व्यू को संवारा जा रहा है। यहां देश का पहला इंडोर गार्डन, वाटर फॉल, क्रूज रेस्टोरेंट और एडवेंचर पार्क बनाया जा रहा है। इसके साथ ही वाटर स्पोर्ट्स, मल्टीप्लेक्स और रेस्टोरेंट बनाने के लिए पीपीपी मोड पर हैदराबाद की एक कंपनी को काम दिया गया है। यहां बेक्वेट, मल्टी प्लेक्स, फूड काउंटर भी होंगे। अटल परिसर का निर्माण भी पूरा कर लिया गया है।

- एसपी साह, जीएम टैक्निकल,स्मार्ट सिटी

लड़की से बात करने को लेकर विवाद

युवक की चाकू से गला रेतकर हत्या, 5 संदेही हिरासत में

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

लड़की से बात करने को लेकर देर रात मोपका चौक के पास एक युवक की चाकू से गला रेतकर जघन्य हत्या कर दी गई। हत्या की वारदात से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पुलिस 5 संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ करने में जुटी है।

सीएसपी निमितेश सिंह परिहार ने बताया कि मोपका निवासी अभिषेक यादव 25 साल सूर्यवंशी मोहल्ला की एक लड़की से बातचीत करता था। लड़की के परिजनों को जानकारी होने पर 2 मई की रात 11.20 बजे अभिषक यादव को मिलने के लिए बुलाए। अभिषेक यादव मोपका चौक से अंदर गली में मिलने गया तो कुछ युवक अभिषेक को लड़की से बातचीत करने पर समझाइश दे रहे थे। इसी बीच अभिषेक यादव व युवकों के बीच विवाद हो गया। युवकों ने अभिषेक के साथ जमकर मारपीट करते हुए चाकू से उसका गला रेत दिया और भाग गए। चाकूबाजी की वारदात से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। अभिषेक यादव के दोस्त मौके पर गए । वह खून से लथपथ पड़ा हुआ था। दोस्तों के द्वारा उसे इलाज के लिए अपोलो हास्पिटल लेकर गए । जहां डाक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। दोस्तों ने हत्या की सूचना पुलिस को दी।

मृतक।

सूचना मिलते ही एडीशनल एसपी पंकज कुमार पटेल, सीएसपी श्री परिहार, टीआई प्रदीप आर्या बल के साथ मोपका पहुंच गए। आसपास के लोगों से घटना की जानकारी लेकर मोपका सूर्यवंशी मोहल्ला में दबिश देकर 5 लोगों को पकड़कर मोपका चौकी लेकर गए। चौकी में लोगों की भीड़ लगने पर संदेहियों को सरकंडा थाने में लाकर पूछताछ की जा रही है। देर रात तक थाना परिसर में लोगों की भीड़ लगी हुई थी।

अपोलो हास्पिटल में घटना की जानकारी लेती पुलिस।

फर्नीचर दुकान में कर्मचारी से मारपीट कर चाकू से हमला

बिलासपुर। फर्नीचर दुकान में जाकर एक युवक ने कर्मचारी के साथ मारपीट करते हुए पेट में चाकू से जान लेवा हमला कर दिया है। पुलिस ने हमलावर के खिलाफ जुर्म दर्ज कर लिया है।

चकरभाठा पुलिस के अनुसार, उत्तर प्रदेश जौनपुर शाहगंज निवासी मुकेश राजभर पिता ओमप्रकाश राजभर चकरभाठा नयापारा चौक स्थित गणेश फर्नीचर में रहकर बढ़ाई का काम करते हैं। 1 मई को शाम 7.30 बजे वे दुकान में काम कर रहे थे। इसी दौरान विकास नगर निवासी नवीन ध्रुव आया और जबरिया में मुकेश राजभर को मोबाइल में गाली देने का आरोप लगाकर गाली गलौज कर मारपीट करते हुए उनके पेट में चाकू से जान लेवा हमला कर दिया। चाकूबाजी की वारदात से आसपास क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस मौके पर आई घायल बढ़ाई को इलाज के लिए अस्पताल लेकर गई। पुलिस ने मुकेश राजभर की रिपोर्ट पर हमलावर नीवन ध्रुव के खिलाफ जुर्म दर्ज कर लिया है।

सरकण्डा में दो लोगों पर चाकू, कैंची से हमला

बिलासपुर। सरकण्डा पुलिस के अनुसार, चिंगराजपारा सुभाष चौक निवासी बलवंत साहू पिता संतराम साहू ने रिपोर्ट लिखाई। 1 मई को रात 10.30 बजे उनके बेटे सोमेश उर्फ सोनू साहू के साथ आदि ध्रुव व उसका भाई ने शराब पीने के लिए पैसा मांगे नहीं देने पर मारपीट कर चाकू से हमला कर दिया। इसी तरह सरकण्डा निवासी रवि कुमार सोनी ने रिपोर्ट लिखाई। वर्ष 2025 में उनके बेटे अनुभव सोनी 20 साल का विश्व विद्यालय में क्रिकेट टीम में चयन हुआ था और टीम का कैप्टन राज पाली उससे रंजिश रख रहा था। 1 मई को राज पाली अनुभव सोनी को फोन कर आरएस के एकेडमी महामाया चौक के पास मिलने बुलाया। रात 10.30 बजे उनका बेटा वहा गया तो राजपाली व रिशू ठाकुर उसके साथ गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देते हुए कैंची से चेहरे पर हमला कर दिया। पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ जुर्म दर्ज कर लिया है।

सड़क दुर्घटना में फर्जी क्लेम का मामला

4 वकीलों की अग्रिम जमानत खारिज

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

कोर्ट ने मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण में फर्जी क्लेम करने वाले आरोपी 4 वकीलों की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज कर दी है।

ज्ञात हो कि मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण में प्रेमिका कुजूर बनाम मुरली यादव के नाम से क्षतिपूर्ति का दावा किया था। कोर्ट को संदेह होने पर 13 मार्च को आवेदिका प्रेमिका कुजूर का बयान दर्ज किया गया। उसने स्पष्ट कहा कि उसने न तो कोई दावा किया है और न ही किसी दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए हैं। उसने यह भी बताया कि उसने किसी वकील को वकालनाम नहीं दिया। कोर्ट के प्रस्तुतकार जानेन्द्र दुबे की रिपोर्ट पर सिविल लाइन पुलिस ने बीएनएस की धारा 61, 228, 229, 233, 246, 318, 335, 336, 338, 340, 2, 3, 5 के तहत जुर्म दर्ज कर आरोपी वकील राजिकशोरनगर निवासी एनपी चंद्रवंशी पिता स्व. सिद्धराम चंद्रवंशी 62 साल, भगवती कश्यप पति स्व. सुधीर कश्यप 50 साल, शुभम चंद्रवंशी पिता एनपी चंद्रवंशी 32 साल व मस्तूरी गतौरा निवासी सूरज वस्त्रकार पिता सनीचराम वस्त्रकार 29 साल को गिरफ्तार कर मुचलका जमानत पर थाने से छोड़ दिया था। चारों वकीलों ने कोर्ट में अग्रिम जमानत अर्जी लगाई। विशेष न्यायाधीश एट्रोसिटी लवकेश प्रताप सिंह बघेल ने आरोपी वकीलों की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज कर दी है।

- 13 मार्च को आवेदिका का बयान दर्ज किया गया था

आंबा सहायिका भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित

बिलासपुर। एकीकृत बाल विकास परियोजना मस्तूरी अंतर्गत मस्तूरी ब्लॉक के आंगनबाड़ी केंद्र ओखर 1, हरदी 1, मानिकचौरी 1 एवं कोकड़ी 1 में सहायिका के 1-1 रिक्त पदों पर 4 मई से 18 मई तक आन लाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए वेबसाइट **aww.e-bharti.in** में जाकर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। अधिक जानकारी के वेबसाइट का अवलोकन किया जा सकता है।

मतदाता सूची पर दावा आपत्ति 6 तक

बिलासपुर। मॉ शारदा खाद्य सुरक्षा पोषण एवं उपभोक्ता सेवा सहकारी सोसायटी मर्यादित इन्दिरानगर, विखं बिल्हा के मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। सूची के संबंध में दावा आपत्ति 6 मई तक सोसाइटी कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी खुशी अग्रवाल के समक्ष लिखित में प्रस्तुत कर सकते हैं। आपत्तियों का निराकरण 7 मई को सुबह 10 बजे से किया जाएगा।

दुकान में अभद्रता, स्वच्छता पेट्रोलिंग का प्रभारी निलंबित

बिलासपुर। शहर में गंदगी और अतिक्रमण को रोकने के लिए संचालित स्वच्छता पेट्रोलिंग के प्रभारी वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक दीपक कुमार पंकज को निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे ने निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई निगम कमिश्नर ने पेट्रोलिंग टीम के द्वारा दुकानदार से बिना रसीद दिए जुर्माना वसूलने, अभद्रता करने तथा बिना पैसे दिए दुकान से खाने पीने का सामान लेने की शिकायत के बाद किया है। मामले के संज्ञान में आने और साक्ष्य के तौर पर दुकानदार ने नगर निगम को सीसीटीवी फुटेज सौंपा था।

निगम के मुताबिक 27 अप्रैल 2026 को जोन कमांक 6 के अंतर्गत मिश्रा किराना स्टोर में प्रतिबंधित पॉलिथिन की जब्ती की कार्रवाई के दौरान पेट्रोलिंग टीम के प्रभारी द्वारा किराना स्टोर से बिना पैसे दिए कोल्ड ड्रिंक्स पीने और कार्रवाई के दौरान सार्वजनिक स्थान पर धूम्रपान सेवन करने की बात सामने आई थी। साथ ही पॉलिथिन जब्ती कार्रवाई के दौरान निर्धारित जुर्माने की राशि के बदले तत्काल रसीद नहीं देकर शिकायत के पश्चात अगले दिन रसीद दी गई। इस पूरे मामले में निगम कमिश्नर ने सख्त रूख अख्तियार करते हुए वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक और स्वच्छता पेट्रोलिंग टीम के प्रभारी दीपक कुमार पंकज को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश जारी किया है।

- कमिश्नर ने की कार्रवाई

हरिभूमि नं.1 आवश्यक सूचना
हरिभूमि
प्रिय ग्राहक बंधुओं आपका अपना
प्रिय अखबार हरिभूमि के स्थान पर
अगर कोई अन्य अखबार दिया जा रहा है
तो कृपया इस नंबर पर संपर्क करें
07752-401052 , 8770748558
9754160620, 9691735152

जिला अस्पताल में रैबीज इंजेक्शन खत्म

बिलासपुर। जिला अस्पताल में जीवन रक्षक दवा के साथ ही इंजेक्शन का भी टोटा है। हाल यह है कि मरीजों को स्वयं के पैसे से रैबीज का इंजेक्शन लाना पड़ रहा है। पिछले 3 दिनों से अस्पताल में इंजेक्शन खत्म हो चुका है।

जिला अस्पताल में आवश्यक दवा और मरीजों के लिए सुविधा के लिए जीवनदीप समिति बनाई गई है लेकिन समिति के पास रसीद की फीस और फंड होता है, जिससे लोकल खरीदी कर दवा मंगाई जा सकती है लेकिन पिछले 3 दिनों से रैबीज का इंजेक्शन खत्म हो चुका है। सीजीएमएससी से सप्लाई नहीं होने और अधिकारियों की लापरवाही के चलते मरीजों को परेशान होना पड़ रहा है, शनिवार को दयालबंद निवासी कमला श्रीवास को अचानक कुत्ते ने काट लिया, बुजुर्ग महिला जिला अस्पताल में इंजेक्शन लगाने पहुंची। इस दौरान नर्स ने उसे इंजेक्शन नहीं होने और खरीद के लाने की पर्ची दे दी। जिसके बाद बुजुर्ग महीना ने अस्पताल के बाहर की दुकान से रैबीज का इंजेक्शन लाया और नर्स को सौंप दिया। जिसके बाद नर्स ने इंजेक्शन लगाया।

- खरीदकर लगा रहे मरीज

सभाग का प्रथम Hightech नेत्र अस्पताल
आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय
ZEPTO जेप्टो अमेरिकन (FDA) तकनीक द्वारा
मोतियाबिंद का एडवांस फेको ऑपरेशन व लेंस प्रत्यारोपण
अब तक 1.50 लाख से अधिक सफल नेत्र आपरेशन पर मुख्यमंत्री द्वारा छत्तीसगढ़ गौरव सम्मान
डॉ. एल.सी. मढ़रिया MBBS,MS नेत्र रोग विशेषज्ञ एवं फेको सर्जन
डॉ. ऐश्वर्य मढ़रिया MBBS, MS, FVR, LVP-Hydrabad नेत्र रोग विशेषज्ञ एवं रेटिना विशेषज्ञ
● 35 वर्ष से नेत्र चिकित्सा सेवा ● डायबिटीज व रेटिना के बीमारी के अंधत्व का त्वरित ईलाज लेसर द्वारा
आई.जी.ऑफिस रोड, नेहरू चौक, बिलासपुर
फोन : 07752-402070, 228277,
मो. : 9826190123, 9669979123

online Booking:-www.tripuryatra.com
सुविधा ज्यादा,सबसे कम राशि पर
स्लीपर मात्र 21,500/-
15 दिन
चार धाम यात्रा
श्री केदार नाथ, श्री बद्रीनाथ, श्री गंगोत्री
श्री यमुनोत्री, श्री हरिद्वार, श्री ऋषिकेश
श्री त्रियुगीनारायण, श्री तुगनाथ महादेव
अन्य दर्शन:-काशी विश्वनाथ, पंच प्रयाग दर्शन- (विष्णुप्रयाग, नंदप्रयाग, कर्णप्रयाग, रुद्रप्रयाग, देवप्रयाग), माना गाँव (भारत का अंतिम गाँव),धारी देवी,चोपता
11 मई,25 मई, 06 जून, 15 जून, 05 सितम्बर,
10 सितम्बर, 26 सितम्बर,10 अक्टूबर, 22अक्टूबर, 2026
राशि:-स्लीपर-21,500/-, 3 एसी- 31,500/-, 2 एसी- 38,500/- (+5%GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
RAIPUR- D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354-411411